राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.vishalindia.in

विशाल इंडिया

सच्चाई की राह पर!

गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

वर्ष : 14
अंक : 286
पृष्ठ : 08
गौतमबुद्धनगर
मंगलवार 09 सितंबर 2025
मूल्य :2 /-
RNI No .UPHIN/2014/55236

मुख्य अपडेट | पेज 3 जनपद की तीनों तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस संपन्न | पेज 4 साक्षर समाज ही विकास की बुनियाद : जिलाधिकारी | पेज 6 क्रिस गेल ने किया खुलासा, पंजाब किंग्स में हुआ अपमान

संक्षिप्त खबरें

हिमाचल के बालीचौकी में 4 मंजिला बिल्डिंग गिरी

शिमला। हिमाचल प्रदेश के मंडी जिला के बालीचौकी बाजार में 4 मंजिला बिल्डिंग 5 सेकेंड में जमींदोज हो गई। अच्छी बात यह रही कि बिल्डिंग को पहले ही खाली कराया जा चुका था। इससे कोई जानी नुकसान नहीं हुआ। यह मकान बीती शाम को गिरा है। आज इसका वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। बालीचौकी बाजार में बीते 10 दिन में पांच बहुमंजिला बिल्डिंग गिर चुकी हैं। बाजार में 5 से ज्यादा खाली कराए जा चुके हैं। बाजार में इन घरों के पीछे जमीन धंसने से मकानों को खतरा पैदा हो गया है। इस बीच कुल्लू के अखाड़ा बाजार में आज (सोमवार को) एक और शव बरामद हो गया है।

एमपी सरकार को रेपिस्ट को 25 लाख मुआवजा देने का आदेश

भोपाल। सुप्रीम कोर्ट ने रेप के मामले में दोषी को 4 साल 7 महीने अतिरिक्त जेल में रखने के मामले में मप्र सरकार को 25 लाख का मुआवजा देने का आदेश दिया है। सागर जिले के इस मामले में आरोपी को सात साल की सजा सुनाई गई थी, लेकिन सजा की अवधि पूरी होने के बाद भी उसे रिहा नहीं किया गया। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस केवी विश्वनाथन की खंडपीठ ने मध्यप्रदेश सरकार की लापरवाही के लिए कड़ी फटकार लगाई। अदालत ने इसे गंभीर चूक बताते हुए कहा कि इस तरह की अवैध हिरासत किसी भी हाल में स्वीकार्य नहीं है।

हैप्पी मॉर्निंग

चिंटू अपनी मां को डॉक्टर के पास लेकर गया
डॉक्टर- आपकी मां के दो टेस्ट होने हैं
चिंटू जोर-जोर से रोने लगा
डॉक्टर- क्या हुआ तुम क्यों रो रहे हो? चिंटू- क्योंकि मेरी मां अनपढ़ है, डॉक्टर साहब.....

शायरी

वो मजबूरी मौत है जिस में कासे को बुनियाद मिले
प्यास की शिद्दत जब बढ़ती है डर लगता है पानी से

अर्थसार

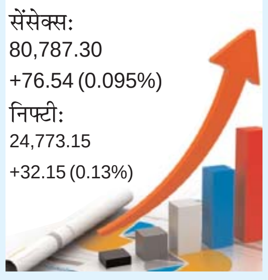

सेंसेक्स:
80,787.30
+76.54 (0.095%)
निफ्टी:
24,773.15
+32.15 (0.13%)

मौसम

अधिकतम : 33 डिग्री से0
न्यूनतम : 27 डिग्री से0
सूर्योदय बुधवार : 6 : 06
सूर्यास्त मंगलवार : 6 : 26

नेपाल के विरोध-प्रदर्शन में 20 की मौत, गृहमंत्री का इस्तीफा

काठमांडू में प्रदर्शनकारियों को देखते ही गोली मारने का आदेश

सोशल मीडिया बैन से नाराज युवा

काठमांडू। नेपाल में फेसबुक, इंस्टाग्राम समेत कई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर बैन लगाए जाने के विरोध में 'जेन-जी' यानी 18 से 28 साल के युवा प्रदर्शन कर रहे हैं।

राजधानी काठमांडू समेत देश के कई शहरों में जमकर तोड़फोड़ और आगजनी हुई है। विरोध प्रदर्शन नेपाल के 7 बड़े शहरों तक पहुंच गया है। यहां कर्फ्यू लगा दिया गया है।

सेना की तैनाती की गई है। हिंसक विरोध में अब तक 20 लोग मारे जा चुके हैं। 400 से ज्यादा घायल हैं। युवाओं की मांग है कि सरकार बैन हटाए और पारदर्शिता लाए।

काठमांडू प्रशासन ने तोड़फोड़ करने वालों को देखते ही गोली मारने के आदेश भी जारी किए। नेपाल के गृह मंत्री रमेश लेखक ने देश में जारी हिंसक प्रदर्शन के बीच अपने पद से इस्तीफा दे दिया।

12 हजार प्रदर्शनकारी संसद तक पहुंचे

सोमवार सुबह 12 हजार से ज्यादा प्रदर्शनकारी संसद परिसर तक पहुंच गए। इसके बाद सुरक्षा बलों ने कई राउंड फायरिंग की। आंसू गैस के गोले छोड़े, वॉटर कैनन का इस्तेमाल किया। प्रदर्शनकारी इसके बाद भी नहीं माने। कई युवा बैरिकेड्स, दीवार-गेट फांदकर अंदर घुस गए। परिसर में आगजनी की।

संसद भवन, राष्ट्रपति भवन, उपराष्ट्रपति भवन और प्रधानमंत्री आवास के आसपास कर्फ्यू लागू कर दिया गया है।

दूसरी तरफ, केपी ओली ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर लगी रोक हटाने से साफ इनकार कर दिया। इससे पहले कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि सरकार ने इन प्लेटफॉर्म्स से बैन हटा लिया है।

सरकार ने 3 सितंबर को सोशल मीडिया बैन किया था

नेपाल सरकार ने 3 सितंबर को फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब समेत 26 सोशल मीडिया साइट्स पर बैन लगाने का फैसला किया था। इन प्लेटफॉर्म ने नेपाल के संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय में रजिस्ट्रेशन नहीं कराया था। इसके लिए मंत्रालय ने 28 अगस्त को आदेश जारी कर 7 दिन का समय दिया था, यह समय सीमा 2 सितंबर को खत्म हो गई।

डीए मामले पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला जल्द

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कलकत्ता हाई कोर्ट के 2022 के आदेश के खिलाफ बंगाल सरकार द्वारा दायर याचिका सहित अन्य याचिकाओं पर सुनवाई पूरी हो गई है। सुप्रीम कोर्ट जल्द फैसला सुना सकता है।

हाई कोर्ट ने राज्य को जुलाई 2009 से महंगाई भत्ते (डीए) का बकाया जारी करने के लिए कहा गया था।जस्टिस संजय करोल और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने राज्य सरकार की ओर से अभिषेक सिंघवी और हुजेफा अहमदी सहित वरिष्ठ वकीलों और राज्य सरकार के कर्मचारियों के परिसंघ और अन्य की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता पी एस पटवालिया और अन्य की दलीलें सुनीं। 20 मई 2022 को हाई कोर्ट ने राज्य प्रशासनिक न्यायाधिकरण (एसएटी) के एक आदेश को बरकरार रखा और टीएमसी सरकार को जुलाई 2009 से डीए बकाया जारी करने का निर्देश दिया था।

अस्थायी आश्रय

नई दिल्ली में यमुना नदी के पिछले हफ्ते जलस्तर निकासी के निशान को पार करने के बाद अस्थायी आश्रय स्थलों पर विस्थापित लोग।

हरिद्वार-ऋषिकेश रेल रूट पर लैंडस्लाइड, लोहे का ढांचा क्षतिग्रस्त

पंजाब में 296.4 मीमी ज्यादा बारिश, हिमाचल में 824 सड़कें बंद; ताजमहल तक यमुना का पानी

नई दिल्ली/भोपाल/लखनऊ। उत्तराखंड में हरिद्वार-ऋषिकेश रेल रूट पर सोमवार सुबह काली मंदिर के पास लैंडस्लाइड हुई। पहाड़ी से बड़े-बड़े पत्थर ट्रैक पर बने लोहे के स्ट्रक्चर पर गिरे। इसके कारण स्ट्रक्चर क्षतिग्रस्त हो गया। मलबा ट्रैक पर आ गिरा। अब रूट बाधित है। कई ट्रेनों को रोक गया है। ट्रैक से मलबा हटाया जा रहा है।

इधर, राजस्थान में तेज बारिश के बाद कई इलाकों में बाढ़ की स्थिति है। नदी-नाले ओवरफ्लो होने से आज 8 जिलों, उदयपुर, सलूंबर, जालोर, डूंगरपुर, सिरोही, बाड़मेर, जैसलमेर और बालोतरा में स्कूल बंद हैं।

पंजाब के 23 जिलों के करीब 2 हजार गांव बाढ़ की चपेट में हैं। इनकी 3 लाख 84 हजार की आबादी प्रभावित है। 12 जिलों के 46 लोगों की बाढ़-बारिश में जान गई। 12 दिन बाद आज राज्य के सभी जिलों में स्कूल-कॉलेज खुले हैं। हथिनी कुंड बैराज से पानी छोड़ जान के बाद उत्तर प्रदेश के मथुरा के वृंदावन में हालात बिगड़े हैं। राधा वल्लभ मंदिर में पानी भरा है। बांके बिहारी मंदिर से 100 मीटर दूर बाढ़ का पानी बह रहा है। राज्य में अब तक 644.9 मीमी बारिश हुई है, जबकि यहां औसत बारिश का आंकड़ा 641.4 मीमी है। हिमाचल प्रदेश में 2 नेशनल हाईवे समेत 824 सड़कें अभी भी बंद हैं। इनमें ज्यादातर सड़कों को बंद हुए 10 दिन हो चुके हैं। राज्य में इस सीजन में सामान्य से 45 प्रतिशत ज्यादा बारिश हो चुकी है। 1 जून से 7 सितंबर के बीच 652.1 मीमी सामान्य बारिश होती है, लेकिन इस बार 948.5 मीमी बारिश हुई है।

सुप्रीम कोर्ट बोला- आधार पहचान का प्रमाण, नागरिकता का नहीं

एसआईआर पर सुनवाई में चुनाव आयोग से कहा- इसे 12वां दस्तावेज माना जाए

पटना। सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को बिहार में एसआईआर (वोटर वेरिफिकेशन) के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई हुई। कोर्ट ने कहा- आधार पहचान का प्रमाण पत्र है, नागरिकता का नहीं।

कोर्ट ने चुनाव आयोग को आदेश दिया कि वोटर की पहचान के लिए आधार को 12वें दस्तावेज के तौर पर माना जाए। बिहार एसआईआर के लिए फिलहाल 11 निर्धारित दस्तावेज हैं, जिन्हें मतदाताओं को अपने फॉर्म के साथ जमा करना होता है।

जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने ये भी कहा कि आधार कार्ड को लेकर अगर किसी तरह की शंका हो तो आयोग इसकी जांच कराए। कोई भी नहीं चाहता कि चुनाव आयोग अवैध प्रवासियों को मतदाता सूची में शामिल करे। केवल वास्तविक नागरिकों को ही वोट देने की अनुमति होगी। जो लोग फर्जी दस्तावेजों के आधार पर दावा कर रहे हैं, उन्हें मतदाता सूची से बाहर रखा जाएगा।

आधार मानने वाले बीएलओ को आयोग नोटिस भेज रहा

सुनवाई शुरू होने पर कोर्ट में कांग्रेस लीडर और सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल ने कहा- 10 जुलाई को कोर्ट ने चुनाव आयोग को आधार कार्ड स्वीकार करने को कहा। अभी भी 65 लाख लोगों के लिए भी आधार स्वीकार नहीं किए जा रहे हैं। बीएलओ को निर्देश दिया गया था कि 11 दस्तावेजों में से एक आवश्यक है। चुनाव आयोग 11 के बाहर के दस्तावेज स्वीकार करने वाले अधिकारियों को दंडित कर रहा है।

आधार स्वीकार करने वाले अधिकारियों को चुनाव आयोग ने कारण बताओ नोटिस जारी किया है। इस पर कोर्ट ने नोटिस पेश करने को कहा।

जिस पर चुनाव आयोग का पक्ष रख रहे वकील राकेश द्विवेदी ने कहा- ये हमारे पास नहीं है।

वरिष्ठ पत्रकार और द टेलीग्राफ के संपादक संकर्षण ठाकुर का निधन

नई दिल्ली। वरिष्ठ पत्रकार संकर्षण ठाकुर का सोमवार को गुरुग्राम के एक अस्पताल में निधन हो गया। वे 63 वर्ष के थे। ठाकुर द टेलीग्राफ के संपादक थे। उनके परिवार में पत्नी सोना, बेटी जहान और बेटा आयुष्मान हैं। ठाकुर ने द इंडियन एक्सप्रेस, तहलका में भी काम किया। उनकी लेखनी बिहार और भारतीय राजनीति पर केंद्रित थी। ठाकुर को 2001 में प्रेम भाटिया अवॉर्ड और 2003 में अप्पन मेनन फेलोशिप से सम्मानित किया गया था।

देश में पालतू जानवरों की तस्करी बढ़ी

5 साल में 4 गुना हुई, सबसे ज्यादा मुंबई एयरपोर्ट पर स्मगलिंग; 60 प्रतिशत मामलों में दस्तावेज अधूरे

मुंबई। भारत में विदेशी पालतू जानवरों की मांग तेजी से बढ़ रही है। इनमें विदेशी नस्ल के कुत्ते और अन्य जानवर शामिल हैं। इस मांग के कारण तस्करी में तेजी आई है, साथ ही संक्रमण का भी खतरा बढ़ा है।

पिछले 5 साल में जिंदा जानवरों का इम्पोर्ट चार गुना बढ़कर 45 हजार से ज्यादा हो गया है। इसके बावजूद इस प्रक्रिया की न तो पारदर्शी निगरानी हो रही है और न ही सरकारी जवाबदेही तय है। जुलाई 2025 में एक पशु कल्याण कार्यकर्ता ने मुंबई एयरपोर्ट को तस्करी का केंद्र बताते हुए महाराष्ट्र सरकार को अपील भेजी थी। इसके बाद अगस्त 2025 में नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने निर्देश जारी किए। अब किसी विमान में अघोषित जीवित जानवर मिलने पर उसे तुरंत उसके देश वापस भेजा जाएगा।

इसकी जिम्मेदारी एयरलाइन की होगी। साथ ही, स्टाफ को पहचान और दस्तावेज जांच की ट्रेनिंग देना अनिवार्य किया गया है।

विदेश से सबसे ज्यादा पालतू कुत्ते,

बिल्लियां, मकाऊ और अफ्रीकी ग्रे पैरेट जैसे दुर्लभ पक्षी, छिपकली और सांप जैसे जीव और सजावटी मछलियां भारत लाई जा रही हैं। कई बार डेयरी और प्रजनन के लिए पशुधन भी आता है।

कई प्रजातियां संरक्षित हैं, जिन्हें पालतू या प्रदर्शन के लिए खरीदा जाता है। इन जानवरों के साथ एवियन फ्लू, रेबीज और निपाह जैसे रोगों का खतरा भी बढ़ता है।

कानूनी ढांचा और नियम

भारत में विदेशी जानवरों का आयात केवल स्वास्थ्य प्रमाणपत्र और टीकाकरण रिकॉर्ड के साथ ही किया जा सकता है। एनिमल क्वारेंटाइन एंड सर्टिफिकेशन सर्विसेज के नियमों के अनुसार, प्रजाति और देश के आधार पर क्वारेंटाइन अवधि तय होती है। वन्यजीव संरक्षण अधिनियम और साइट्स संधि के तहत संरक्षित प्रजातियों के लिए विशेष अनुमति जरूरी है।

कुलगाम में एनकाउंटर, 2 आतंकी मारे गए

एक का नाम पहलगाम हमले के बाद जारी आतंकियों की लिस्ट में था; 2 जवान भी शहीद

कुलगाम। सेना ने कश्मीर के कुलगाम में मुठभेड़ के दौरान 2 आतंकियों को मार गिराया है। सोमवार सुबह गुड्डर के जंगलों में आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ शुरू हुई। सेना ने इसे ऑपरेशन गुड्डर नाम दिया है। इस दौरान घायल हुए दो जवान भी शहीद हो गए हैं।

मारे गए एक आतंकी की पहचान शोपियां के रहने वाले आमिर अहमद डार के रूप में हुई है। वह लश्कर-ए-

तैयबा से जुड़ा था और सितंबर 2023 से एक्टिव था।

पहलगाम हमले के बाद सुरक्षा एजेंसियों की तरफ से जारी 14 आतंकवादियों की लिस्ट में यह भी शामिल था। पुलिस, सेना की 9 आरआर और सीआरपीएफ की एक जॉइंट टीम ने आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद इलाके में सर्चिंग शुरू की थी।

जानकारी के मुताबिक जंगल में लश्कर के 3 से ज्यादा आतंकी छिपे हैं। दोनों ओर से गोलीबारी जारी है और अतिरिक्त सुरक्षा बल इलाके में भेजे गए हैं।

कर्नाटक के मांड्या में गणेश विसर्जन जुलूस पर पत्थरबाजी

8 लोग घायल, 21 गिरफ्तार

कर्नाटक। कर्नाटक के मंड्या जिले के रविवार रात गणेश विसर्जन जुलूस पर पथराव हुआ। रविवार शाम करीब 8 बजे मद्दूर शहर में हुई। जुलूस पर राम रहीम नगर से मस्जिद के सामने से गुजर रहा था, तब पत्थरबाजी की गई। इसके बाद दूसरे पक्ष ने भी पत्थरबाजी की। दोनों समुदायों में हाथापाई भी हुई। पूरी घटना पुलिस की मौजूदगी में हुई। इसके बाद पुलिस ने लोगों को हटाया। पत्थरबाजी की इस घटना में 8 लोग घायल हुए हैं। उनका जिला अस्पताल में इलाज जारी है। पुलिस ने 21 लोगों को गिरफ्तार भी किया है। मामले में दो एफआईआर दर्ज की गई हैं। वहीं, घटना को लेकर सोमवार को मंड्या में प्रो-हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया है। इस दौरान आगजनी भी की गई।

फरीदाबाद में एसी फटा, दंपती-बेटी की मौत

बेटा खिड़की से कूदा, हाथ-पैर टूटे; आग का धुआं घर में घुसने से दम घुटा

फरीदाबाद। हरियाणा के फरीदाबाद में सोमवार को 4 मंजिला बिल्डिंग के पहले फ्लोर पर एसी का कंप्रेसर फट गया। इससे आग लग गई। इसका धुआं दूसरे फ्लोर में घुस गया। इसके कारण यहां रह रहे दंपती और उनकी बेटी की दम घुटने से मौत हो गई, जबकि बेटे ने खिड़की से कूदकर जान बचाई।

परिवार ने बचने के लिए छत पर जाने की कोशिश की थी, लेकिन गेट बंद होने से वह छत पर नहीं जा पाए।

पड़ोसियों ने फायर ब्रिगेड को सूचना दी, लेकिन इसके पहुंचने से पहले तीनों की मौत हो चुकी थी। पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भिजवा दिया है।

मामला ग्रीनफील्ड कॉलोनी में सुबह 3 बजे सामने सामने आया। परिवार पिछले 5 साल से इस बिल्डिंग में रहा था। मृतक व्यक्ति स्टॉक ट्रेडिंग का काम करता था।

एफआईआर दर्ज

दिल्ली ब्रांच के इंस्पेक्टर की अगुआई में जांच हो रही; परिवार से दूसरी बार पूछताछ करने पहुंचे

सीबीआई ने मनीषा केस में कत्ल की एफआईआर दर्ज की

भिवानी। हरियाणा के भिवानी जिले के गांव ढाणी लक्ष्मण की रहने वाली टीचर मनीषा की मौत मामले में जांच करते हुए सीबीआई एक्शन में है। इस मामले में सीबीआई ने हत्या की एफआईआर दर्ज की है। टीम ने यह एफआईआर 5 सितंबर को की थी, जिसकी कॉपी अब सामने आई है। इसके बाद टीम मनीषा के परिजनों, उसके स्कूल के स्टाफ और घटनास्थल का मुआयना कर चुकी है।

आज भी टीम मनीषा के घर पूछताछ के लिए पहुंची। अब संभावना जताई जा रही है कि सीबीआई मामले में हत्या के एंगल से जांच करेगी। केस की अगुआई दिल्ली

ब्रांच के इंस्पेक्टर विवेक कुमार कर रहे हैं। बता दें कि 13 अगस्त 2025 को मनीषा का शव सिंघानी गांव के खेत में मिला था। वह 11 अगस्त को अपने गांव से सिंघानी स्थित स्कूल में बच्चों को पढ़ाने गई थी, लेकिन लौटी नहीं। इसके बाद परिजनों ने मनीषा की हत्या की आशंका जताई थी। हालांकि, भिवानी पुलिस ने भी इस मामले में पहले गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज की थी, लेकिन शव मिलने के बाद उसमें हत्या की धारा भी जोड़ी थी। इसके बाद मामले में जांच करते हुए पुलिस ने एक सुसाइड नोट की भी जानकारी सार्वजनिक की, जिसके जरिए मामले को अप्रत्यक्ष रूप से सुसाइड करार दिया गया। अब सीबीआई ने उन्हीं धाराओं के अंतर्गत एफआईआर दर्ज की है।

3 सितंबर को भिवानी आई थी सीबीआई टीम

26 अगस्त को मनीषा का केस भिवानी पुलिस से सीबीआई को ट्रांसफर किया गया था। इसके बाद 3 सितंबर को सीबीआई की 6 सदस्यीय टीम जांच के लिए भिवानी पहुंची। टीम को ढिगावा के PWD रेस्ट हाउस में ठहराया गया था। टीम ने पहले दिन पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ मीटिंग की और केस का रिकॉर्ड लिया। टीम ने केस से संबंधित पूरे रिकॉर्ड को खंगाला। इसके बाद बीते शनिवार को टीम मनीषा के प्ले-स्कूल पहुंची। टीम ने यहां स्टाफ से बात की और मनीषा के बारे में जानकारी इकट्ठा की। साथ उस दिन के बारे में भी बात की, जिस दिन मनीषा लापता हुई थी। स्कूल से निकलकर सीबीआई टीम सीधे घटनास्थल पर पहुंची, जहां मनीषा का शव मिला था। टीम ने सभी एंगल से जगह का मुआयना किया। हालांकि, बारिश के कारण उस खेत में पानी भरा हुआ था, इसलिए थोड़ी देर में ही टीम वहां से निकल गई।

संपादकीय

60 प्रतिशत से ज़्यादा मंत्री दाग़ी : लोकतंत्र अपराधियों की शरणस्थली?

जितेन्द्र चौधरी, प्रधान संपादक, विशाल इंडिया हिंदी दैनिक

लोकतंत्र का काला आईना

भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र कहलाता है, लेकिन सच्चाई यह है कि इसकी संसद और विधानसभाएँ अपराधियों का अड्डा बन चुकी हैं। एडीआर (एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स) की ताज़ा रिपोर्ट बताती है कि देश भर में 643 मंत्रियों में से 302 (47 प्रतिशत) पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें 174 (27 प्रतिशत) पर हत्या, अपहरण और महिलाओं के खिलाफ अपराध जैसे गंभीर आरोप हैं। आंध्र प्रदेश, बिहार, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, कर्नाटक, दिल्ली और पुदुचेरी जैसे राज्यों में यह आँकड़ा 60 प्रतिशत से भी अधिक है। सवाल उठता है — यह लोकतंत्र है या अपराधियों की शरणस्थली ?

अपराध और राजनीति का गठजोड़

भारत में चुनाव लड़ना अब सिर्फ विचारधारा और सेवा का मंच नहीं रहा, बल्कि पैसा और बाहुबल का खेल बन गया है। यही कारण है कि माफिया, गुंडे और भ्रष्ट कारोबारी आसानी से विधायक और सांसद बन जाते हैं। 2024 की लोकसभा में चुने गए 46त्न सांसद आपराधिक मामलों का सामना कर रहे हैं। यह कोई नई बीमारी नहीं है — 2019 में यह आँकड़ा 43 प्रतिशत था। यानी लोकतंत्र की संसद धीरे-धीरे 'लोक' से दूर और 'दाग़' से भरती जा रही है।

कानून और न्याय की सुस्ती

सुप्रीम कोर्ट कई बार कह चुका है कि नेताओं के मामलों की सुनवाई फास्ट-ट्रैक कोर्ट में होनी चाहिए। लेकिन नतीजा वही ढाक के तीन पात — मुकदमे सालों तक धूल खाते रहते हैं और आरोपी नेता चुनाव दर चुनाव जीतते रहते हैं। जनता को केवल यह नज़ारा मिलता है कि कानून उन्हीं के लिए तेज़ चलता है जिनके पास ताक़त और तिज़ोरी है।

नेताओं का बचाव और जनता की शंका

दाग़ी नेता अक्सर बहाना बनाते हैं कि उन पर दर्ज मामले 'राजनीतिक प्रतिशोध' का नतीजा हैं। ठीक है, 'दोषी साबित होने तक निर्दोष' का सिद्धांत भी सही है। लेकिन क्या हत्या, बलात्कार और भ्रष्टाचार जैसे गंभीर मामलों में आरोपी को जनता का प्रतिनिधि बनने देना न्यायसंगत है ? क्या यह लोकतंत्र के मूल्यों का मज़ाक नहीं है ?

समाधान की राह

1. चुनाव सुधार — गंभीर मामलों वाले उम्मीदवारों पर चुनाव लड़ने से रोक लगे।
2. फास्ट ट्रैक कोर्ट — नेताओं के मामलों का निपटारा एक साल के भीतर हो।
3. जन-जागरूकता — वोटर मायनेता और एडीआर जैसी वेबसाइट देखकर उम्मीदवार की पूरी पृष्ठभूमि जाने।

निष्कर्ष

47 प्रतिशत हो या 60 प्रतिशत — आँकड़े से ज़्यादा बड़ा सवाल है लोकतंत्र की साख। अगर संसद और विधानसभाएँ अपराधियों से भरेंगी, तो जनता का भरोसा कब तक जिंदा रहेगा ?

बदलाव की चाबी जनता के हाथ में है। सवाल उठाइए, जवाब वोट से दीजिए। क्योंकि —

'जब संसद अपराधियों का अड्डा बन जाए,
तो लोकतंत्र की आत्मा रोने लगती है।'

प्रकृति की नाराजगी को नहीं समझा तो मानव अस्तित्व खतरे में

- ललित गर्ग -

प्रकृति अपनी उदारता में जितनी समृद्ध है, अपनी प्रतिशोधी प्रवृत्ति में उतनी ही कठोर है। जब तक मनुष्य उसके साथ तालमेल में रहता है, तब तक वह जीवन को वरदान देती है, जल, जंगल और जमीन के रूप में। लेकिन जैसे ही मनुष्य अपनी स्वार्थपूर्ण महत्वाकांक्षाओं और तथाकथित आधुनिक विकास की अंधी दौड़ में प्रकृति की उपेक्षा करने लगता है, यही प्रकृति विनाश का रूप धारण कर लेती है। आज पूरे भारत में जो बाढ़, जल प्रलय और मौसम के अनियंत्रित बदलाव के दृश्य दिखाई दे रहे हैं, वे केवल प्राकृतिक आपदा नहीं हैं, बल्कि हमारी गलतियों का सीधा परिणाम हैं। प्रकृति के इस रौद्र रूप के पीछे महज संयोग या 'कुदरत की नाराज़गी' को जिम्मेदार ठहराना पर्याप्त नहीं है। यह आपदाएं सीधे-सीधे जलवायु परिवर्तन, वनों की अंधाधुंध कटाई और अनियंत्रित विकास मॉडल का परिणाम हैं। पहाड़ों का पारिस्थितिकी तंत्र अत्यंत संवेदनशील होता है, लेकिन नीतिनिर्माताओं ने पहाड़ों के विकास को मैदानी मॉडल पर ढालने की कोशिश की। बड़े-बड़े होटल, अव्यवस्थित सड़कें, बांध, खनन और निर्माण ने पहाड़ों की नाजुक संरचना को हिला दिया। जब जंगल काटे जाते हैं तो वर्षा का पानी भूमि में समाने के बजाय सीधे तेज धाराओं के रूप में बहने लगता है। यही बाढ़ और भूस्खलन का बड़ा कारण बनता है, इसी से भारी तबाही का मंजर देखने को मिल रहा है, देश के बड़े हिस्से में जन-जीवन अस्त-व्यस्त है, लाखों हेक्टेयर फसलें जनमग्न है, जान-माल का नुकसान भी बड़ा हुआ है, भारी आर्थिक नुकसान ने घना अंधेरा बिखेर दिया है। चारों ओर चिन्ताओं एवं परेशानियों के बादल मंडरा रहे हैं।

आज की बाढ़ और जल प्रलय केवल पानी का उफान नहीं, बल्कि हमारी गलतियों का आईना है। यह प्रकृति का प्रतिशोध है, उसकी चेतावनी है कि यदि अब भी नहीं चेते तो भविष्य और भी विकराल होगा। महात्मा गांधी ने कहा था-प्रकृति हर किसी की आवश्यकता पूरी कर सकती है, लेकिन किसी के लालच को नहीं। यही सच्चाई है। यदि हमने संतुलन नहीं सीखा, तो यह विनाशकारी दृश्य आने वाले वर्षों में और भयावह होंगे। लेकिन यदि हमने चेतावनी को अवसर माना, तो प्रकृति फिर से मां की तरह हमें संभाल लेगी। जीवनदायी पानी जब अपने विकराल रूप में सामने आता है तो उसका प्रकोप कितना घातक और विनाशकारी हो सकता है, यह इस वर्ष की मूसलाधार मानसूनी बारिश एवं बादल फटने की घटनाओं ने एक बार फिर सिद्ध कर दिया है। सामान्यत: जल जीवन का आधार है, लेकिन जब वही जल अपनी मर्यादा तोड़कर प्रलयंकारी रूप में आता है तो घर, खेत, सड़क, पुल, मंदिर-मस्जिद और मानवीय जीवन तक बहाकर ले जाता है। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर के पहाड़ी राज्य इस समय प्रकृति के ऐसे ही कहर का दंश झेल रहे हैं। बादल फटने की अप्रत्याशित घटनाएं, पहाड़ों से टूटते हिमखंड, अचानक बहते मलबे और बेकाबू नदियों का सैलाब-ये सब मिलकर भयावह परिदृश्य खड़ा कर रहे हैं।

वनों की कटाई ने न केवल भूमि की जलधारण क्षमता घटाई है, बल्कि स्थानीय जलवायु चक्र को भी प्रभावित किया है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण तापमान बढ़ा है, जिससे पहाड़ी इलाकों में ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं और अप्रत्याशित समय पर अत्यधिक वर्षा हो रही है। यही कारण है कि बादल फटने जैसी घटनाएं पहले की तुलना में कई गुना बढ़ गई हैं। पहाड़ों की बस्तियां, जो कभी प्राकृतिक संतुलन में जीती थीं, अब मानवजनित गतिविधियों की मार झेल रही हैं। दरअसल, समस्या का मूल यह है कि हमने विकास की परिभाषा को केवल कंक्रीट और मशीनों से जोड़ दिया है। पर्यावरणीय संतुलन और पारिस्थितिकीय संवेदनशीलता को दरकिनार कर योजनाएं बनाई गईं। इसी का परिणाम है कि जब आपदा आती है तो न तो हमारी चेतावनी प्रणाली पर्याप्त साबित होती है और न ही प्रशासन की तैयारियां। सर्वोच्च न्यायालय में हिमाचल सरकार ने यह स्वीकार भी किया है कि अब तक अपनाए गए उपाय अपर्याप्त हैं। यह स्वीकारोक्ति बताती है कि समस्या कितनी गंभीर है।

भारत की नदियाँ कभी जीवन का स्रोत मानी जाती थीं। गंगा, यमुना, ब्रह्मपुत्र, नर्मदा, गोदावरी जैसी नदियों के किनारे सभ्यताएँ पली-बढ़ीं। लेकिन आज वही नदियाँ मौत का पैगाम बनकर आती हैं। कारण है उनके प्राकृतिक प्रवाह में मानवीय हस्तक्षेप-बेतरतीब बांध, अतिक्रमण, नालों में बदल चुकी धारा और किनारों पर बसी बस्तियाँ। भारत में हर साल औसतन 1,600 लोग बाढ़ से मारे जाते हैं और लगभग 75 लाख लोग प्रभावित होते हैं। फसलें तबाह होती हैं, पशुधन मरता है और अरबों रुपए की आर्थिक क्षति होती है। केवल 2023 में उत्तराखंड, हिमाचल और दिल्ली में आई बाढ़ से 60,000 करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान हुआ। पिछले कुछ दशकों में मौसम का पैटर्न पूरी तरह बिगड़ चुका है। मानसून जो पहले जून से सितंबर तक नियमित हुआ करता था, अब अनिश्चित और असमान हो गया है। कभी 24 घंटे में महीनों की बारिश हो जाती है, तो कभी लंबे सूखे का दौर देखने को मिलता है। 2013 की केदारनाथ त्रासदी ने पहाड़ों में अंधाधुंध निर्माण की पोल खोल दी। 2023 में दिल्ली में यमुना का 45 साल का रिकॉर्ड टूटना इस बात का संकेत है कि शहर जलवायु परिवर्तन और अव्यवस्थित शहरीकरण के सामने पूरी तरह असुरक्षित हो चुके हैं।

देश के लगभग हर हिस्से में जल प्रलय की कहानियाँ देखी जा सकती हैं। उत्तराखंड और हिमाचल में पहाड़ टूट रहे हैं, भूस्खलन से गांव उजड़ रहे हैं। बिहार और असम में बाढ़ हर साल लाखों लोगों को बेघर कर देती है। दिल्ली और मुंबई जैसे आधुनिक महानगर भी जलजमाव से पंगु हो जाते हैं। राजस्थान जैसे रेगिस्तानी राज्य में भी अनियंत्रित बारिश और बाढ़ का नया खतरा मंडरा रहा है। सड़कों पर नावें चल रही हैं, पुल बह गए हैं, खेत-खलिहान जलमग्न हैं। यह नजारा केवल विनाश का नहीं, बल्कि हमारी नासमझी का प्रमाण है। प्रकृति बार-बार संकेत देती है कि संतुलन ही जीवन का आधार है, लेकिन हमने उसकी सीमाओं को लांघ दिया है। पहाड़ों को खोखला कर सुरंगें और सड़कें बनाई गईं। जंगलों को काटकर कंक्रीट के जंगल खड़े कर दिए गए। नदियों को उनके मार्ग से हटाकर कृत्रिम रास्तों में बांध दिया गया। आज जब बादल फटते हैं या नदियाँ बेकाबू होती हैं, तो यह केवल आपदा नहीं बल्कि प्रकृति का प्रतिशोध है।

अब सवाल यह है कि इस संकट से निपटें कैसे। केवल राहत और मुआवजा देना समाधान नहीं है। आवश्यकता है दीर्घकालिक और ठोस कदम उठाने की। हमें जंगल बचाने होंगे, नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को बहाल करना होगा, शहरी योजनाओं में जलनिकासी और हरियाली को महत्व देना होगा, पर्वतीय विकास में संयम लाना होगा और सबसे बढ़कर जनजागरूकता फैलानी होगी ताकि लोग समझ सकें कि पर्यावरण की रक्षा ही उनके जीवन की रक्षा है। जरूरत है कि आपदाओं को केवल 'प्राकृतिक' न मानकर उन्हें 'मानव निर्मित' एवं सरकार की गलत नीतियों की आपदाएं' भी समझा जाए। इसका अर्थ है कि इनका समाधान केवल राहत और बचाव तक सीमित न रहकर दीर्घकालिक रणनीति से जुड़ा होना चाहिए। विशेषज्ञों की राय, वैज्ञानिक अध्ययन और स्थानीय समुदायों के अनुभवों को मिलाकर ऐसी नीतियां बननी चाहिएं, जो पहाड़ों की प्राकृतिक संरचना और पारिस्थितिकी को ध्यान में रखें। प्राकृतिक आपदाओं की आवृत्ति हमें चेतावनी दे रही है कि यदि हमने समय रहते संतुलित विकास का मार्ग नहीं चुना तो भविष्य और अधिक भयावह होगा। पूर्व चेतावनी प्रणाली को सशक्त बनाना, पहाड़ी राज्यों के बीच आपसी समन्वय बढ़ाना, आपदा प्रबंधन तंत्र को त्वरित और प्रभावी बनाना, और सबसे बढ़कर-वनों एवं प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करना, यह सब आज की सबसे बड़ी जरूरत है।

दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने के बावजूद भारत प्राकृतिक आपदाओं से होने वाली भारी जन-धन हानि को बर्दाश्त नहीं कर सकता। इस वर्ष की बाढ़ और बादल फटने की घटनाएं केवल त्रासदी नहीं, बल्कि एक स्पष्ट संदेश हैं-कि प्रकृति के साथ असंतुलन की कीमत हमें अपने अस्तित्व से चुकानी पड़ सकती है।

इसलिए विकास की नीतियों को पर्यावरण की दृष्टि से पुनर्परिभाषित करना ही इस संकट से उबरने का वास्तविक मार्ग है।

सुनवाई से अलग होना

हाल के दिनों में देश की विभिन्न अदालतों में न्यायिक सुनवाई से अलग होने की घटनाओं में लगातार वृद्धि असहज करने वाली ही है। हालांकि, निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिये सुनवाई से अलग होना एक स्थापित सुरक्षा उपाय है, लेकिन जिस तरह इसका इस्तेमाल और संप्रेषण किया जाता है, उसने कई चिंताजनक प्रश्न तो खड़े किए ही जा सकते हैं। देश के राष्टीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण यानी एनसीएलएटी के एक प्रकरण, जहां एक सदस्य ने खुलासा किया कि वह एक मामले से खुद को अलग कर रहा है क्योंकि एक उच्च न्यायिक व्यक्ति ने उसे एक पक्ष का पक्ष लेने के लिये संपर्क किया था, ने इस प्रक्रिया में विश्वास को ठेस पहुंचायी है। हाल ही में, शीर्ष अदालत के न्यायाधीश एमएम सुंदरेश ने बिना कोई कारण बताए दलित-अधिकार वकील सुरेंद्र गाडलिंग की जमानत याचिका पर सुनवाई से खुद को अलग कर लिया था। इससे पहले भी, कर्नाटक उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश वी कामेश्वर राव ने संस्था से संबंधों का हवाला देते हुए एनएलएसआईयू ट्रांसजेंडर आरक्षण अपील से खुद को अलग कर लिया था। यहां तक कि मुख्य न्यायाधीशों- संजीव खन्ना ने चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति मामले में और बी.आर.गवई ने एक आंतरिक न्यायिक जांच मामले में खुद को अलग कर लिया था। निस्संदेह, इस तरह की असंगतता पारदर्शिता के बारे में मिले-जुले संकेत देती है। जो जनमानस में इस बाबत नये विमर्श को जन्म देता है। इसमें दो राय नहीं कि इस संबंध में कानून में स्पष्टता की दरकार है। सुनवाई से अलग होने के लिये कोई संहिताबद्ध ढांचा नहीं है।

यहां उल्लेखनीय है कि मई 2025 में, सर्वोच्च न्यायालय ने एक समान नियम बनाने की याचिका को यह कह कर खारिज कर दिया था कि सुनवाई से अलग होना व्यक्तिगत विवेक का मामला है। ऐसे मामलों में न्यायिक स्वतंत्रता ऐसी स्वायत्तता की मांग करती है, वहीं अस्पष्टता जनता के विश्वास को कमजोर करती है। निस्संदेह, जनसाधारण की न्यायिक व्यवस्था में आस्था मजबूत करने के लिये न्याय न केवल किया जाना चाहिए, बल्कि होते हुए भी दिखना चाहिए। उल्लेखनीय है कि वर्तमान में, सुनवाई से अलग होने के मामले केवल न्यायिक मूल्यों के पुनर्कथन और न्यायिक आचरण के बैंगलौर सिद्धांतों जैसी नरम-कानून संहिताओं द्वारा निर्देशित होते हैं। वास्तव में वे कारणों का खुलासा करने का कोई बाध्यकारी दायित्व तय नहीं करते। इसका परिमाण ही असमान व्यवहार है। इस बाबत कुछ न्यायाधीश तो स्पष्टीकरण देते हैं, जबकि कई अन्य ऐसे मामलों में खामोशी धारण कर लेते हैं। निस्संदेह, ऐसी परंपराओं से जन साधारण में अटकलों और न्यायिक प्रक्रिया में देरी को बढ़ावा ही मिलता है। इस दिशा में एक मध्य मार्ग भी संभव है। न्यायालय न्यूनतम प्रकटीकरण मानक अपना सकते हैं। आदेश पत्र पर एक पंक्ति की 'कारण श्रेणी' और एक केंद्रीय सुनवाई रजिस्टर की व्यवस्था की जा सकती है। इस प्रकार से कुछ हल्के-फुल्के सुधार न्यायिक स्वतंत्रता की रक्षा ही करेंगे। सही मायनों में खामोशी, खासकर संवेदनशील मामलों में, अब तटस्थ नहीं रही।

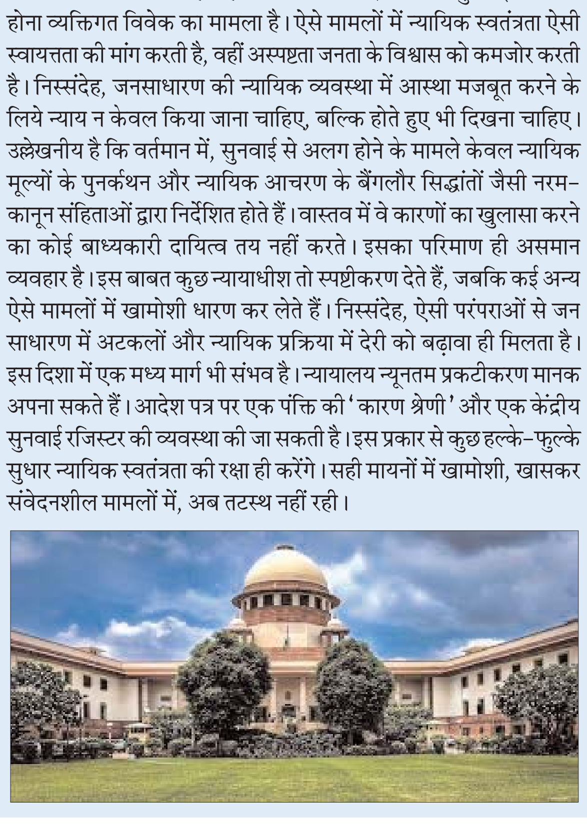

टाईम पास

काकुरो पहेली - 3645

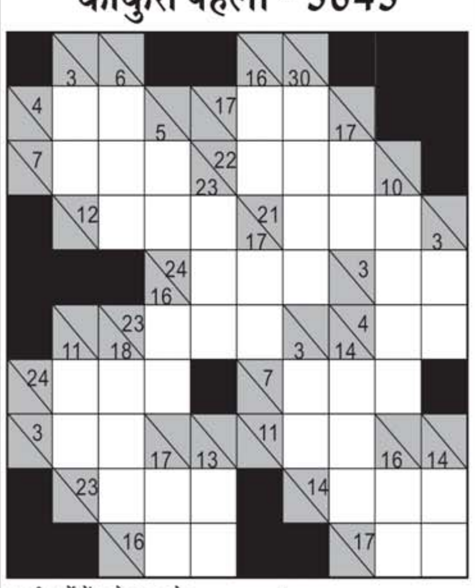

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

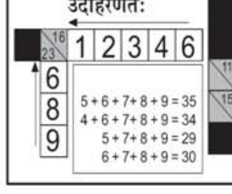

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 3644 का हल

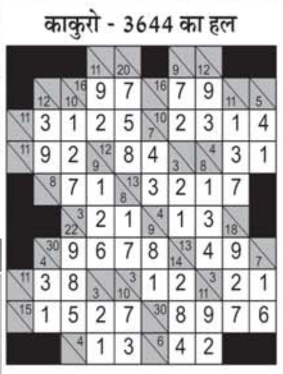

लॉफिंग जोक्स

अपने पति की हत्या के मामले में कटघरे में खड़ी महिला से न्यायाधिश ने कहा- आपको अपनी सफाई में क्या कहना है?

महिला : मैं क्या कह सकती हूँ, मेरे यहाँ सफाई तो नौकरानी करती है। इस विषय में इससे ज्यादा जानकारी तो वही दे सकती है।

□ □ □

रमन (प्रेमिका) से- गीता, प्लीज मुझसे शादी के लिए हाँ कर दो ना....! मैं तुम्हारी हर छोटी-छोटी इच्छाओं को पूरी करूँगा।

प्रेमिका बोली- ये सब तो ठीक है, परंतु मेरी उन बड़ी इच्छाओं का क्या होगा? उसे कौन पूरा करेगा दूसरा पति।

□ □ □

एक बार तीन नीग्रो जंगल में जा रहे थे। घने जंगल के रास्ते में उन्हें भगवान मिले। भगवान ने उन्हें एक-एक वरदान माँगने के लिए कहा।

पहला बोला- मुझे गोरा बना दो।

भगवान- तथास्तु।

दूसरा बोला- मुझे भी गोरा बना दो।

भगवान ने कहा- तथास्तु।

अब तीसरे नीग्रो के माँगने की बारी थी। उसने वरदान माँगा- इन दोनों को फिर से काला-काला बना दो।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3645

बायें से दायें:-

१. धर्मेन्द्र, राखी की 'पल पल दिल के पास' गीत वाली फिल्म-२,२
४. 'इमली का बूटा' गीत वाली दिलीपकुमार, राजकुमार, विवेक मुशरान, मनीषा की फिल्म-४
६. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की 'नहीं कही थी बात' गीत वाली फिल्म-३
७. 'आईने के सौ टुकड़े' गीत वाली जीतेंद्र, जयाप्रदा की फिल्म-१
९. लक्की अली, गौरी कार्णिक की 'खोया है तूने जो' गीत वाली फिल्म-२
१०. राकेश रोशन, योगिता बाली की 'लो मेरा प्यार लेलो' गीत वाली फिल्म-४
१३. 'तुम्ही रहनुमा हो' गीत वाली अनिल धवन, राधा सलूजा की फिल्म-३
१५. सुनीलदत्त, मीनाकुमारी की 'रंग और नूर की' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'ए बी सी डी छोड़ो' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेंमा मालिनी की फिल्म-२,२
२१. राजेंद्रकुमार, वैजयंतीमाला की 'हमसे तो अच्छी तेरी' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'कोई देख रहा रहा' गीत वाली सनी देओल, सुष्मिता सेन की फिल्म-२
२४. सुनील शेट्टी, सोमी अली की 'आ जा जाने जां' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'मैं तेरा मजनूं' गीत वाली गोविंदा, सोनाली, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-२
२७.शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या की 'मेरे खयालों की' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'अपने दिल में जगह' गीत वाली अनिल धवन, नीतूसिंह की फिल्म-३
२९. फरदीनखान, करीना कपूर की 'तेरे बिना तेरे बिना' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'मेरे ख्वाबों का' गीत वाली अजय देवगन, अभिषेक, बिपाशा की फिल्म-३
३२. अनिलकपूर, श्रीदेवी, रवीना की 'मैं राजू दीवाना' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

२. सनी देओल, सुनील, शिल्पा की 'कोई परी आती नही' गीत वाली फिल्म-२
३. 'ओ नचलै नचलै' गीत वाली सनी, सोहेल, सुनील, जॉन की फिल्म-३
४. राजेश खन्ना, टीना, पद्मिनी की फिल्म-३
५. 'मैं निकला गड्डी लेके' गीत वाली फिल्म-३
८. संजयदत्त, गोविंदा, दिव्या, ममता की 'दिल तो खोया है' गीत वाली फिल्म-४
९. 'गोरे गोरे मुखड़े पे' गीत वाली अजय, अक्षय, करिश्मा, नगमा की फिल्म-३
११. शशिकपूर, शबाना आजमी की फिल्म-३
१२. 'हाथी मेरे साथी' की नायिका ?-३
१४. 'तुमको कितना है' गीत वाली सनी, सुनील, सेलिना जेटली की फिल्म-२
१६ संजयकपूर, शिल्पा शेट्टी की 'टक टका टक' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'चांदनी रातें प्यार की बातें गीत वाली देवआनंद, गीताबाली की फिल्म-२
१९. शशिकपूर, जीतेंद्र, रेखा की 'प्यार करना नहीं आया' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'यशोदा का नंदलाला' गीत वाली जयाप्रदा, जीतेंद्र, विनोद की फिल्म-३
२२. 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'जो बीच बजरिया' गीत वाली अब्बास, शर्वाणी मुखर्जी की फिल्म-२
२५.विश्वजीत, वहीदा रहमान की फिल्म-३
२६. 'आज पुरानी राहों से' गीत वाली फिल्म-३
२७. देवआनंद, हेमा मालिनी की फिल्म-३
३०. 'आज सरे महफिल' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3644

सूडोकु -3645

3	9				1			
5	4			6	8		1	3
		1		7		9	5	
	8	9		5	3		4	7
6	1		4	9		2	3	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
			6				7	9

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3644 का हल

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4

शब्द पहेली - 3645

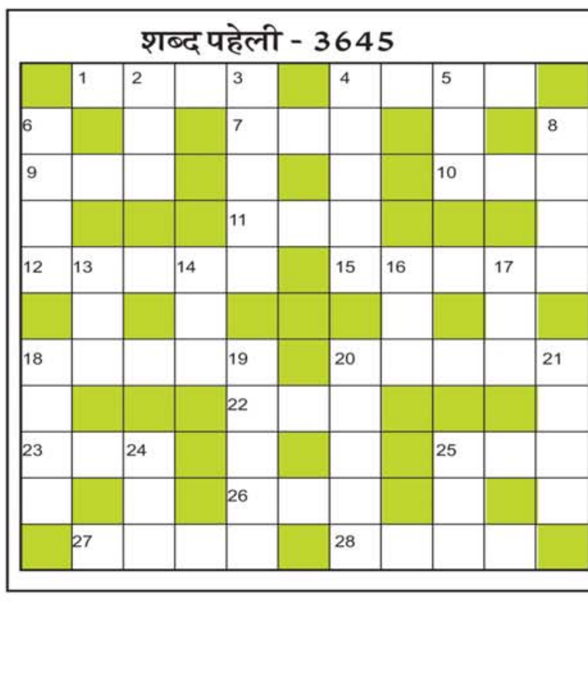

बाएँ से दाएँ

1.बेजोड़-4
4.परिचय,निशान-4
7.कला-3
9.सज्जनता,चरित्र, आदर्श-3
10.प्रथा,रिवाज-3
11.उपस्थिति-3
12.सेन्धमार-5
15.शयनागार,बेडरूम, आरामगाह-3,2
18.तड़के,सुबह सवेरे-5
20.चुगली करना-2,3
22.मैला,गंदा-3
23.रसद,आहर पदार्थ-3
25.प्रणाम,नमस्कार-3
26.तोलने का यंत्र, तकड़ी-3
27.स्थायी,प्राचीन-4
28.हुकूमत,राजगद्दी-4

ऊपर से नीचे

2.मुलाकात,मिलाप-3
3.खून से लथपथ-5
4.लालन-पालन-5
5.सेवक,नौकर,दास-3
6.धोखेबाज-4
8.समान,एक जैसा-4
13.पंकज,जलज-3
14.आघात,चोट-3
16.भरोसा,विश्वास-3
17.कुली,पालकी वाहक-3
18.जुर्म,गुनाह-4
19.स्वदेश वासी-5
20.शतपदी, कनखजूरा-5
21.अहमक, मूर्ख-4
24.स्नान करना-3
25.सम्मान, पगड़ी-3

शब्द पहेली -3644 का हल

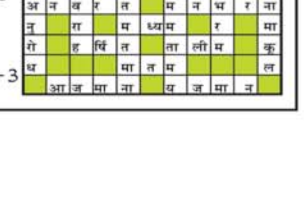

बाढ़ प्रभावितों से मिलीं जिलाधिकारी

शरणालय में बच्चों को पढ़ाया, महिलाओं को सैनिटरी पैड बांटे, व्यवस्थाएं परखीं

गौतम बुद्ध नगर। जिलाधिकारी मेधा रूपम ने यमुना नदी में बढ़े जलस्तर से प्रभावित परिवारों के लिए बनाई गई व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने सदर तहसील के सेक्टर-135 में बने शरणालय का दौरा किया।
जिलाधिकारी ने शरणालय में खानपान, आवास, स्वच्छता, पेयजल, शौचालय और चिकित्सा सुविधाओं की जांच की। सभी व्यवस्थाएं संतोषजनक मिलीं। प्रभावित परिवारों ने भी व्यवस्थाओं पर संतोष जताया।
शरणालय में चल रही पाठशाला में डीएम ने बच्चों से बातचीत की। उन्होंने बच्चों से सवाल पूछे और पढ़ाई का सामान बांटा। अधिकारियों को पाठशाला नियमित चलाने के निर्देश दिए। महिलाओं को सैनिटरी पैड वितरित किए। स्वास्थ्य विभाग को सभी लोगों की नियमित जांच और दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा।
जिलाधिकारी ने अधिकारियों को शरणालय की सभी व्यवस्थाएं सुचारु रूप से चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हर सुविधा की नियमित निगरानी की जाए। इस काम में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।
इसके बाद डीएम ने सेक्टर-135 की अस्थायी गौशाला का निरीक्षण किया। वहां चारा-पानी, स्वच्छता, पशु चिकित्सा और अन्य सुविधाएं व्यवस्थित मिलीं।
निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी पुस्ता रोड, सेक्टर-150 भी पहुंचीं और वहां उन्होंने पुश्ते के किनारे असुरक्षित रूप से टेंट लगाकर रह रहे हैं लोगों को प्रेरित किया कि जिला प्रशासन की ओर से सुरक्षित स्थानों पर शरणालय उपलब्ध कराए गए हैं।
जहां पर भोजन, पानी, चिकित्सा, आवास एवं अन्य सभी मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित कराई जा रही हैं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को भी निर्देशित किया कि ऐसे प्रभावित परिवारों को असुरक्षित स्थानों से शरणालयों में शिफ्ट होने के लिए प्रेरित किया जाए।

जनपद की तीनों तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस संपन्न

कुल 160 शिकायतें दर्ज, 08 का किया गया निस्तारण

गौतमबुद्धनगर। उत्तर प्रदेश शासन की मंशा के अनुरूप जनसामान्य की समस्याओं के त्वरित निस्तारण हेतु आज जनपद गौतमबुद्धनगर की तीनों तहसीलों जेवर, दादरी एवं सदर में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान कुल 160 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से 08 शिकायतों का निस्तारण मौके पर ही किया गया।
जिलाधिकारी मेधा रूपम के निर्देशानुसार जेवर तहसील में उप जिलाधिकारी जेवर अभय कुमार सिंह की अध्यक्षता में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में जनता की समस्याएं सुनी गईं। इस दौरान 72 शिकायतें दर्ज हुईं, जिनमें से 03 शिकायतों का समाधान मौके पर ही किया गया। इस अवसर पर संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।
इसी क्रम में दादरी तहसील में अपर जिलाधिकारी भू/अ0 बच्चू सिंह की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस संपन्न हुआ। यहां 85 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से 05 शिकायतों का निस्तारण मौके पर ही किया गया।

शार्ट न्यूज

किसान यूनियन की बैठक में उठी मांग

जेवर। ग्रेटर नोएडा के ओरंगपुर गांव में भारतीय किसान यूनियन महात्मा टिकैत संगठन की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में गांव के गजेंद्र नागर को संगठन का जिला प्रवक्ता बनाया गया। बलवीर सिंह ने बैठक की अध्यक्षता की, जबकि जिलाध्यक्ष पंकज शर्मा ने संचालन किया। जगनपुर गांव के नरवीर प्रधान को प्रदेश सचिव नियुक्त किया गया। अट्टा गुजरात में सतीश नागर को जिला सचिव की जिम्मेदारी दी गई। मीडिया प्रभारी सुमित नागर ने यमुना प्राधिकरण पर किसानों की समस्याओं को लेकर उदासीनता का आरोप लगाया। बैठक में बाढ़ से प्रभावित किसानों ने भी हिस्सा लिया। सभी ने एकमत से फैसला किया कि जल्द ही जिला मुख्यालय पर ज्ञापन सौंपा जाएगा। इसमें फसलों के नुकसान का उचित मुआवजा देने की मांग की जाएगी। बैठक में जगत सिंह, ओमप्रकाश, गजराज सिंह, सूबेदार सुखबीर, रविंद्र नागर समेत कई प्रमुख किसान नेता मौजूद रहे। संगठन गांव-गांव जाकर किसानों को संगठित कर रहा है। उन्हें अपनी समस्याओं के समाधान के लिए एकजुट होने का आह्वान किया जा रहा है।

ग्रेटर नोएडा में मकान विवाद

जेवर। ग्रेटर नोएडा के दनकौर कस्बे में सोमवार दोपहर एक महिला के मकान पर कब्जा करने का मामला सामने आया है। धनोरी रोड़ पर स्थित मकान में करीब 10 युवक जबरन घुस गए। उन्होंने घरेलू सामान को बाहर फेंक दिया और मकान पर ताला लगा दिया। पीड़ित महिला रिंकी ने बताया कि वह अपने छोटे बच्चों के साथ घर में थी। युवकों ने उनके विरोध करने पर उन्हें घर से बाहर खींचकर मारपीट की। आरोपियों द्वारा किए गए कथित पथराव में एक छात्रा और पड़ोसी महिला समेत 5 लोग घायल हुए। घटना के दौरान घर के शीशे भी टूट गए। मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पीड़ित महिला तथा कुछ आरोपियों को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने विवादित मकान पर दूसरा ताला लगा दिया है। जांच में पता चला कि यह मकान पीड़िता के ससुर ने कई साल पहले एक व्यक्ति को बेच दिया था। इसी को लेकर महिला के पति और खरीदार के बीच कोर्ट में केस चल रहा है। खरीदार पहले भी कई बार मकान पर कब्जा करने का प्रयास कर चुका है। कोतवाली पुलिस का कहना है कि पथराव की घटना नहीं हुई है। मकान विवाद की जांच कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

पत्नी को वीडियो कॉल करने पर हत्या

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा में थाना बिसरख पुलिस ने एक हत्या का मामला सुलझा लिया है। पुलिस ने पैरामाउंट चौराहे से आरोपी इकरार सैफी को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने अपने चचेरे भाई नसीम की हत्या की थी। इकरार और नसीम दोनों बढ़ई का काम करते थे। वे पिछले चार साल से ग्रेटर नोएडा के ऐमनाबाद गांव में अलग-अलग कमरों में रह रहे थे। इकरार के मुताबिक, नसीम उसकी पत्नी को अलग-अलग नंबरों से वीडियो कॉल करके परेशान करता था। इकरार ने कई बार नसीम को समझाने की कोशिश की, लेकिन वह नहीं माना। 2 सितंबर को इकरार क्रिकेट मैदान में था। तभी उसकी पत्नी का फोन आया कि नसीम फिर उसे परेशान कर रहा है। इकरार ने नसीम को क्रिकेट मैदान बुलाया। दोनों जलपुरा गांव के पास बिजलीघर तक पहुंचे। वहां इकरार ने नसीम से उसकी पत्नी को परेशान करने की वजह पूछी। दोनों में धक्का-मुक्की हुई। इकरार ने नसीम का गला पकड़कर उसे जमीन पर पटक दिया और गला दबाकर हत्या कर दी।

नोएडा महागुन मार्डेन सोसाइटी में हंगामा

नोएडा। नोएडा सेक्टर-78 स्थित महागुन मार्डेन सोसाइटी में रविवार को बड़ा विवाद सामने आया। एओए अध्यक्ष सोमाधव यादव ने आरोप लगाया कि सोसाइटी के कुछ निवासियों ने उन पर, कोषाध्यक्ष राहुल गोयल और सुरक्षा कर्मियों पर स्याही फेंकी। इस संबंध में उन्होंने थाना सेक्टर-113 में शिकायत दर्ज कराई है। सोमाधव यादव ने बताया कि वह कोषाध्यक्ष के साथ एओए कार्यालय में बातचीत कर रहे थे। इसी दौरान कुछ निवासी मिलने आए। उन्हें अंदर बैठाया गया और चर्चा शुरू हुई। लेकिन थोड़ी देर बाद उन्होंने अभद्र भाषा का प्रयोग किया और स्याही फेंक दी।

लंबे समय से सोसाइटी निवासी कर रहे हैं प्रदर्शन

दरअसल, सोसाइटी निवासी लंबे समय से एओए के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। उनका आरोप है कि सोसाइटी में वर्षों से चुनाव नहीं कराए गए। कॉमन एरिया मेनटेनेंस की राशि का भी हिसाब नहीं दिया जाता। हाल ही में मेनटेनेंस शुल्क बढ़ाने के प्रस्ताव से विवाद और बढ़ गया था, जिसे विरोध के बाद वापस लेना पड़ा। निवासियों ने एक स्पेशल मीटिंग कर एओए के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पास किया और चुनाव कराने के लिए एक कमेटी गठित की है। इसी सिलसिले में शनिवार को भी निवासियों ने एओए अध्यक्ष से मुलाकात की थी, जहां हंगामा हुआ। एओए अध्यक्ष का कहना है कि निवासियों ने जानबूझकर माहौल बिगाड़ा। वहीं, पुलिस ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है।

नोएडा में कूड़ा कलेक्शन कंपनी पर पांच लाख का जुर्माना

जेई का रोका वेतन, एपीई से मांगा स्पष्टीकरण, आईटीएमएस से देखी लोकेशन

नोएडा। नोएडा में डोर टू डोर कूड़ा उठाने का काम एजी एनवारो इंफ्रा प्रोजेक्ट लिमिटेड करती है। इसकी निगरानी सेक्टर-94 में आईटीएमएस कमांड कंट्रोल से होती है। सोमवार को प्राधिकरण के एसीईओ संजय खत्री ने अन्य अधिकारियों के साथ यहां निरीक्षण किया और आईटीएमएस से लोकेशन देखी। पाया कि डोर टू डोर गाड़ियां कई एरिया में नहीं जा रहा है। कंपनी पर पांच लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया। इसके बाद वो सेक्टर-94 व 126 गए। वहां केबिल एजेंसियों ने खोदाई कर मरम्मत नहीं की। कंपनियों को नोटिस जारी किया गया। सेक्टर-126 एचसीएल के पास वेंडिंग जोन में वेंडर्स ने डस्टबिन नहीं रखे थे। निर्देश दिया कि वेंडर्स को तीन दिन में हरा, नीला डस्टबिन रखना होगा। साथ ही जन स्वास्थ्य परियोजना अभियंता को निर्देश दिया कि वे ये सुनिश्चित करे। यहां डस्टबीन लग जाए जिसकी रिपोर्ट बैठक में दी जाए। सेक्टर-127 में अवैध वेंडर्स लगे मिले। अवर अभियंता को वेतन रोकते हुए स्पष्टीकरण मांगा गया है।

एपीई से मांगा जवाब

बख्तावरपुर के पास 45 मीटर रोड व जेपी के सामने घांस और झांडियां है। जिसे अगले सात दिनों में विशेष सफाई अभियान चलाकर साफ करने के निर्देश दिए गए। सेक्टर-135 में गोशाला का निरीक्षण किया। यहां जल भराव वाले स्थानों पर एंटी लार्वा और फॉगिंग कराने के निर्देश दिए गए। सेक्टर-130 बिजली घर के पास कूड़ा मिला। सहायक परियोजना अभियंता जन स्वास्थ्य से स्पष्टीकरण मांगा गया है।

नोएडा में निवेश के नाम पर 8.45 लाख की ठगी

वॉट्सऐप ग्रुप से जोड़ा फिर ऐप पर कराया रजिस्ट्रेशन, 12 बार में ट्रांसफर किए पैसे

नोएडा। साइबर अपराधियों ने शेयर बाजार में निवेश कर मुनाफा कमाने का लालच देकर एक युवक को 8 लाख 45 हजार रुपए की चपत लगा दी। पीड़ित चंद्रभान सिंह, जो एक निजी कंपनी में काम करते हैं, ने मामले की शिकायत साइबर क्राइम थाने में दर्ज कराई है। पुलिस ने अज्ञात ठगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। चंद्रभान ने बताया कि एक मई को उन्हें मार्गन स्टेनली एसेट मैनेजमेंट नाम के वॉट्सऐप ग्रुप में जोड़ा गया। ग्रुप में कई लोग निवेश कर मुनाफे के स्क्रीनशॉट साझा कर रहे थे। इसे देखकर उन्होंने भी निवेश करने का मन बनाया।

पहले निवेश में मिला मुनाफा

शिकायतकर्ता ने गूगल पर कंपनी की जानकारी देखी तो वह वैध निकली। उन्हें अंदाजा नहीं था कि नामी कंपनी का नाम लेकर ठगी का खेल खेला जा रहा है। ठगों ने उन्हें अलग से निवेश संबंधी प्रशिक्षण भी देना शुरू किया। पहले छोटे निवेश पर जब मुनाफा मिला और आसानी से रकम निकल आई, तो चंद्रभान का भरोसा बढ़ गया।

ऐप डाउनलोड कराकर फंसाया

इसके बाद ठगों ने उन्हें एक ऐप पर रजिस्ट्रेशन कराया। ज्यादा मुनाफे के लालच में चंद्रभान ठगों के बताए निर्देश मानते गए। 3 मई से 15 मई 2024 के बीच उन्होंने 12 बार में कुल 8.45 लाख रुपए निवेश कर दिए।

ऐप डाउनलोड करवाया

इस दौरान शिकायतकर्ता को एक ऐप पर पंजीकरण कराया गया। ज्यादा मुनाफा कमाने के चक्कर के चंद्रभान ठग द्वारा दिए जा रहे निर्देश का पालन करते रहे। 3 मई से 15 मई 2024 के बीच उन्होंने 12 बार में 8.45 लाख रुपए ट्रांसफर कर दिए। जब ऐप पर 37.50 लाख रुपए का बैलेंस दिखा, तो उन्होंने रकम निकालने की कोशिश की, तब ठगों ने कहा कि उन्हें 10 प्रतिशत टैक्स यानी 3.75 लाख रुपए और जमा कराने होंगे। चंद्रभान ने और रकम जमा कराने से मना कर दिया। पहले तो ठग टरकाते रहे। फिर ठगों ने ग्रुप से बाहर कर संपर्क बंद कर लिया।

अवैध रुप से चल रही पटाखा की फैक्ट्री का पर्दाफाश

1004 किलोग्राम निर्मित और अर्धनिर्मित पटाखे बरामद 3 गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। वकार सैफी। दिवाली से पहले ही थाना दादरी पुलिस को एक बड़ी कामयाबी मिली जब अवैध रूप से चल रही पटाखा की फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है और भारी मात्रा में निर्मित, अर्धनिर्मित पटाखे और पटाखे बनाने का सामान उपकरण बरामद किया हैं।
बता दे कि पुलिस की गिरफ्त में खड़े राम लखन, आजाद और राजेंद्र को दादरी के गांव बोड़की में अर्ध निर्मित इमारत में पटाखे बनाने का काम कर रहे थे। दादरी पुलिस ने लोकल इंटेलीजेंस और गोपीनीय सूचना के आधार पर छापा मार कर इन्हें गिरफ्तार किया और मकान से भारी मात्रा में निर्मित और अर्ध निर्मित पटाखे जिनमे 1004 किलोग्राम निर्मित पटाखा (अनार), 100 बोरी (नलकी) पटाखा (अनार बनाने की), 53.6 किलोग्राम मैग्नीशियम पाउडर, 74.8 किलोग्राम स्मैक लेस पाउडर, 68.4 किलोग्राम कटन पाउडर, 37.9 किलोग्राम टीआई पाउडर, 29.4 किलोग्राम द्रव्य पदार्थ (सिल्लीकेट 01 कैन), 28.3 किलोग्राम गोंद (01 छोटा ड्रम), 12.6 किलोग्राम डब्ल्यू पाउडर, 10 किलोग्राम पीओपी पाउडर, बरामद किए हैं।
पुलिस ने इन पटाखों के लिए बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाले उपकरण भी बरामद किए हैं।

नोएडा में सड़क हादसे में दो की मौत

डिवाइडर से टकराकर पलटी कार, दूसरे में कार ने सड़क पार कर रही महिला को मारी टक्कर

नोएडा। नोएडा में अलग-अलग सड़क हादसे में एक महिला समेत दो लोगों की मौत हो गई। पहला मामला सेक्टर-37 से महामाया फ्लाईओवर की तरफ जाने वाले रास्ते पर पड़ने वाले यूटर्न के पास तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकराकर पलट गई। हादसे में कार चालक के गर्दन समेत शरीर के अन्य हिस्से में चोट आई। उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। हादसे के पहले कार चालक ने सामने जा रही दो बाइक में भी टक्कर मारी। इसमें बाइक सवार चार लोग मामूली रूप से घायल हो गए। दूसरे मामले में एक महिला की मौत हो गई।

केस-1 महामाया फ्लाईओवर के पास हादसा

थाना प्रभारी ने बताया कि निठारी गांव के 55 साल सत्यपाल अवाना रविवार दोपहर ढाई बजे के करीब सेक्टर-37 चौकी के सामने से होते हुए कार से महामाया फ्लाईओवर की तरफ जा रहे थे। चौकी के आगे यूटर्न के पास सत्यपाल की तेज रफ्तार कार बेकाबू होकर डिवाइडर से टकराकर पलट गई। सत्यपाल अंदर ही फंसे रहे। राहगीरों ने इसकी सूचना पुलिस को दी।

चार लोगों को लगी थी चोट

इसके बाद गंभीर रूप से घायल सत्यपाल को उपचार के लिए नजदीक के अस्पताल में भर्ती कराया गया और उनके परिजनों को घटना की जानकारी दी गई। उपचार के दौरान कार चालक की मौत हो गई। घटनास्थल पर मौजूद लोगों का कहना है कि डिवाइडर से टकराने के पहले कार चालक ने दो बाइक में टक्कर मारी। इससे बाइक सवार चार लोग मामूली रूप से घायल हो गए। सभी को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया। हालांकि हादसे में दोनों बाइक बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई।

केस-2 अज्ञात वाहन की टक्कर से महिला की मौत

सेक्टर-27 में काम समाप्त कर घर लौट रही महिला को अज्ञात वाहन के चालक ने टक्कर मारकर घायल कर दिया। उपचार के दौरान महिला की मौत हो गई। मृतका के बहन के बेटे ने सेक्टर 20 थाने में मामले को लेकर रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस को दी शिकायत में पश्चिम बंगाल के रहने वाले राजकुमार सरकार ने बताया उनकी मौसी देवी हल्दर सेक्टर 31 में रहती थीं और सेक्टर 27 में नौकरी करने जाती थीं। इसी माह एक सितंबर को काम खत्म करने के बाद वह शाम को पैदल की घर आ रही थीं। चालक वाहन समेत फरार है।

नोएडा-ग्रेनो में आएगी आईटी भूखंड योजना

नोएडा। आईटी कंपनियों को ग्रेटर नोएडा में निवेश करने का मौका मिलेगा। ग्रेटरनोएडा प्राधिकरण आईटी सेक्टर के लिए भूखंडों की योजना लाने जा रहा है। इसके लिए सेक्टर टेक्जोन और नॉलेज पार्क-5 में जगह चिह्नित कर ली गई है। इस महीने योजना शुरू कर दी जाएगी। प्राधिकरण के अधिकारी के मुताबिक आईटी भूखंडों की योजना में 1,4, 10 और 20 एकड़ के कुल पांच भूखंड होंगे। 10-10 एकड़ के दो, 20 एकड़ का एक भूखंड सेक्टर टेक्जोन और एक एकड़ और चार एकड़ के 1-1 भूखंड सेक्टर नॉलेज पार्क-5 में होंगे। अधिकारी के मुताबिक आईटी सेक्टर की कई बड़ी कंपनियों ने यहां निवेश करने की इच्छा जताई है। इससे संबंधित प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इसको देखते हुए फिलहाल पांच बड़े भूखंडों की योजना शुरू करने की तैयारी चल रही है। बड़ी कंपनियों के आने से रोजगार के अवसर पैदा होंगे। वहीं, उद्योगों के लिए भी 39 भूखंडों की योजना शुरू की गई थी। इससे भी भारी भरकम निवेश आने की संभावना है।

नोएडा में भी आएगी योजना

इसके अलावा नोएडा में भी औद्योगिक भूखंडों की लाई योजना के तहत आवंटन प्रक्रिया होने के साथ नए भूखंड आएंगे। वहीं सेक्टर-164 में छह आईटी व आइटीईएस भूखंडों की योजना आने जा रही है। इसके लिए सेक्टर में चल रहा जमीन विवाद पूरी तरह से समाप्त हो गया है। जिसके बाद यहां आने वाले भूखंड 6 हजार वर्गमीटर तक के होंगे।

यमुना पुश्ता पर कम हुआ बाढ़ का पानी

झुग्गी छोड़ वापस फार्म हाउस लौट रहे लोग, पानी उतरने के साथ अब चारों तरफ कीचड़

नोएडा। यमुना के डूब एरिया में अब बाढ़ का पानी उतरने लगा है। इससे लोगों को राहत मिली है। यहां अब चारों तरफ कीचड़ और पानी के साथ बहकर आया कचरा है। हालांकि अब भी यमुना के किनारे बने फार्म हाउस और नर्सरी पानी में डूबे हुए है। उम्मीद है कि दो दिन में पानी उतर जाएगा। इसके बाद से पुश्ता और रिलीफ कैंप में रह रहे लोग अब फार्म हाउसों में वापस लौट रहे है। हालांकि प्रशासन बार बार उनको रोकने का प्रयास कर रहा है।
दो सितंबर को पहली बार यमुना के डूब एरिया में पानी आया था। उस समय कुछ ही फार्म हाउस और नर्सरी डूबी थी।
लोगों ने पलायन शुरू किया और पुश्ता रोड और उसके नीचे हजारों की झुग्गी बन गई। यहां लोग रहने लगे। हथनीकुंड बांध से करीब 3 लाख 29 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा गया। दो दिन में ये पानी नोएडा के डूब एरिया तक पहुंचा। जिससे पुश्ता का पूरा एरिया सेक्टर-133, 134, 135, 168 के अलावा 150 से ज्यादा इलाके प्रभावित हो गए। यहां करीब दो हजार से ज्यादा फॉर्म हाउस डूब गए।
आठ स्थानों पर रिलीफ कैंप बनाए गए। जिसमें 3 हजार से ज्यादा लोगों को रखा गया। उनको भोजन और दवा दी गई। 800 से ज्यादा गाय का रेस्क्यू किया गया।
हालांकि छह सितंबर से यमुना का जल स्तर कम होता दिखा। सात सितंबर तक यमुना खतरे के निशान 205 मीटर से कम नजर आई।
अब भी पानी लगातार कम हो रहा है।

लोगों का फार्म में जाना शुरू

इस बीच लोगों का अपने फॉर्म हाउस में जाना शुरू हो गया है। पुश्ता और उसके नीचे की सड़क पर बनी झुग्गी उखड़ने शुरू हो गई है। लोगों का कहना है नुकसान का आकलन किया जाएगा। हालांकि लाखों रुपए की खड़ी फसल चौपट हो गई। हालांकि जिला प्रशासन लोगों को डूब एरिया में जाने से रोक रहा है। बतौर इसके लिए मुनादी भी कराई जा रही है।

बढ़ा बीमारियों का खतरा

पानी उतरने के साथ उमस और बीमारियों का खतरा यहां बढ़ गया है। इससे पहले भी रिलीफ कैंप में रोजाना करीब 200 से 300 मरीजों का इलाज किया जा रहा है। जिसमें अधिकांश मरीज इन्फेक्शन के है। जिनको दवा दी जा रही है। अब वापस लौट रहे लोगों को वहां गंदगी का सामना करना पड़ेगा जिससे और बीमारियां बढ़ सकती है।

हालांकि वहीं पानी अब भी है जो पुश्ता में बने अवैध कंस्ट्रक्शन के कारण रुका हुआ है। जिससे काफी दिक्कत हो रही है।

छह दिन बाद खतरे के निशान से आया नीचे

छह दिन बाद यमुना का जल स्तर खतरे के निशान से थोड़ा नीचे आ गया है। ये अब 205 मीटर से भी कम है। ऐसे में जल स्तर तेजी से घटने से यमुना पुश्ता से पानी हटा रहा है।
उम्मीद की जा रही है नोएडा के बंद बैराज को भी खोल दिया जाएगा। ताकि यहां सीवर ओवर फ्लो की समस्या नहीं रहेगी।

जमुना में आया पानी का सैलाब के उतरने के साथ साथ बीमारियो का अटैक शुरु

नोएडा। वकार सैफी। जमुना में आया पानी का सैलाब अब उतरने लगा है, लेकिन साथ ही बीमारियों का ग्राफ बढ़ने लगा है और लोग लगातार लोग इलाज के लिए जिला अस्पताल पहुंच रहे हैं।
स्वास्थ्य विभाग की टीमे जमुना के किनारे बने कैंपों में लोगों का इलाज कर रही हैं और दवाओ का वितरण भी कर रही है।
सीएमओ का का कहना है कि बीमारियां पहले की हमारे स्वास्थ्य विभाग ने 12 चौकी स्थापित की गई थी और अब जो पानी उतर रहा है, तब भी हमारी हमारी मेडिकल टीम लगातार कार्य कर रही है और जिस तरह की बीमारियां सामने आ रही है उसका इलाज किया जा रहा है। किसी ऐसी स्थिति में उत्पन्न होते ह तो हमारा स्वास्थ्यवाद पूरी तरह सजग है और बीमारियो को न फैलने की दिशा में काम कर रहा है।
बता दे कि हर साल सितंबर अक्टूबर में मलेरिया और डेंगू के मामले रिपोर्ट किए जाते रहे हैं सीएमओ का का कहना है इस साल जनवरी से अब तक तो 189 कुल मामले रिपोर्ट हुए है लेकिन अभी हमारे जो अक्टिव केस है वो केवल 14 है जिनका लगातार ट्रीटमेंट चल रहा है और इस समय हम लोगों के द्वारा 188 नोटिस जारी किए गए हैं. और हमारी कुल मिला के 21 टीम में काम कर रही है, जिसमें 16 और मंथ की टीम है, हमारी रिस्पांस टीम है, चार ब्लॉक की है और एक डिस्ट्रिक्ट लेवल टीम है।

साक्षर समाज ही विकास की बुनियाद : जिलाधिकारी

अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर चिरौंजी लाल वीरेंद्र पाल सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में संगोष्ठी का आयोजन

पीलीभीत। अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर सोमवार को चिरौंजी लाल वीरेंद्र पाल सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से संगोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह और विशिष्ट अतिथि मुख्य विकास अधिकारी राजेंद्र कुमार श्रीवास रहे। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि अब किसी भी विद्यालय में बच्चे जमीन पर नहीं बैठेंगे। सभी स्कूलों में बच्चों के लिए फर्नीचर उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि साक्षर समाज होगा तभी विकास संभव है। शिक्षित समाज ही मजबूत विकास की आधारशिला होता है। डीएम ने शिक्षकों से अपनी कार्यशैली को और बेहतर बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि साक्षरता केवल पढ़ने-लिखने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जीवन के बुनियादी कौशल है, जो व्यक्तियों को सशक्त बनाकर सामाजिक विकास का मार्ग प्रशस्त करती है।

विशिष्ट अतिथि मुख्य विकास अधिकारी राजेंद्र कुमार श्रीवास ने कहा कि शिक्षा में पिछले वर्षों में बड़ा बदलाव आया है। शासन की कायाकल्प योजना के अंतर्गत स्कूलों की सूरत बदली है। बच्चों को निशुल्क पाठ्यपुस्तकें, वर्दी और तमाम अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।इस अवसर पर जिले के 16 मास्टर ट्रेनर शिक्षकों को उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित भी किया गया।

इनमें सोनिल कुशवाहा, प्रवीण कुमार, अनुज कुमार, अमनदीप सिंह, मोहम्मद लतीफ, उषा रानी और गोपाल कृष्ण प्रमुख हैं। सभी शिक्षकों को जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक राजीव कुमार एवं बेसिक शिक्षा अधिकारी अमित कुमार सिंह ने प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।कार्यक्रम में जेल अधीक्षक, विद्यालय के प्रधानाचार्य, जिला समन्वयक राकेश पटेल सहित शिक्षा विभाग के अधिकारी एवं शिक्षक मौजूद रहे। संगोष्ठी का संचालन शिक्षक दुर्गेश कुमार आर्य ने किया।

कार्यक्रम के दौरान सभी वक्ताओं ने एक स्वर में कहा कि शिक्षा ही समाज को दिशा देती है और साक्षरता दिवस हमें यह याद दिलाता है कि हर बच्चे तक शिक्षा की पहुँच सुनिश्चित करना हम सबकी जिम्मेदारी है।

पारदर्शी भर्ती से जनपद को मिले आठ कनिष्ठ सहायक

पीलीभीत। प्रदेश सरकार की पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के तहत सोमवार को जनपद पीलीभीत को आठ कनिष्ठ सहायक मिले। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग, लखनऊ द्वारा चयनित इन अभ्यर्थियों को जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह ने कलेक्ट्रेट स्थित गांधी सभागार में नियुक्ति पत्र वितरित किए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार पूर्वान्ह 11 बजे लोक भवन, लखनऊ स्थित ऑडिटोरियम से प्रदेशभर के 1112 कनिष्ठ सहायक एवं 22 एक्स-रे टेक्नीशियन को नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर लखनऊ से आयोजित कार्यक्रम का सीधा प्रसारण कलेक्ट्रेट सभागार में भी दिखाया गया। जनपद पीलीभीत में नियुक्ति पत्र पाने वाले नवनियुक्त अभ्यर्थियों में धीरज कुमार, अभय सिंह, वीरपाल, रितेश सिंह, राहुल भारती, प्रतिभा गंगवार, अजय कुमार और आदित्य टंडन शामिल रहे। नियुक्ति पत्र पाकर उनके चेहरे खुशी से खिल उठे।

अभ्यर्थियों ने भाव व्यक्त करते हुए कहा कि योगी सरकार की भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष और पारदर्शी है, जिसके चलते उन्हें बिना किसी भेदभाव के यह अवसर प्राप्त हुआ। उन्होंने मुख्यमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि वे पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ अपनी जिम्मेदारियां निभाएंगे। जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह ने सभी नवनियुक्तों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सरकार की मंशा है कि युवाओं को योग्यता के आधार पर अवसर मिले। उन्होंने अपेक्षा जताई कि सभी कर्मचारी शासन-प्रशासन की योजनाओं को ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ आमजन तक पहुंचाने में योगदान देंगे।

पिता ने सो रहे बेटे को कुल्हाड़ी से काट डाला

प्रयागराज। प्रयागराज में पिता ने अपने बड़े बेटे की हत्या कर दी। 55 साल के पिता ने सोते समय कुल्हाड़ी से बेटे की गर्दन काट दी। पिता ने एक जमीन बेच दी थी और बड़ा बेटा उसका विरोध कर रहा था। हत्या के कुछ घंटे पहले रात में ही दोनों के बीच झगड़ा भी हुआ था। बहन ने बताया- भाई को काटने के बाद पापा ने मम्मी को जगाकर कहा- हमने मार दिया, अब हमारा काम हो गया। तब मम्मी उठकर गईं देखा, तो भईया मरे पड़े थे। फिर उनके चीखने पर हम उठे और आस-पड़ोस के लोग आ गए। परिवारवालों ने आरोपी को दबोच लिया। पुलिस बुलाकर हवाले कर दिया। घटना रविवार देर रात गंगापार इलाके के अहीबीपुर की है। पुलिस ने कुल्हाड़ी को भी कब्जे में ले लिया है। बताया जा रहा है कि आरोपी पिता शराब के नशे में था। प्रयागराज के गंगापार के सोरांव थाना क्षेत्र में अहीबीपुर गांव है। यहां के निवासी लालजी यादव के पांच बच्चे हैं। सबसे बड़ी बेटी कंचन है। कंचन की शादी हो चुकी है। दूसरे नंबर पर विनोद (25) था। विनोद अविवाहित था। इसके बाद दिनेश (23), मुनेश (20) और सबसे छोटी बेटी आंचल (18) है।

पत्नी की मौसेरी बहन को घर लाने से बढ़ा विवाद

घरेलू कलह से दंपती ने खाया जहर, पत्नी की मौत पति बचा, पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को भेजा

पीलीभीत। न्यूरिया थाना क्षेत्र के कस्बा न्यूरिया में रविवार को पति-पत्नी के बीच घरेलू विवाद ने दुखद मोड़ ले लिया।

पति के दूसरी महिला को पत्नी बनाकर घर लाने से उपजा तनाव इतना बढ़ गया कि दंपती ने जहरीला पदार्थ खा लिया। इस हादसे में पत्नी की मौत हो गई, जबकि पति की जान बच गई।

जानकारी के अनुसार, कस्बा न्यूरिया निवासी राजू मौर्य पुत्र रामदयाल छत्तीसगढ़ में साइकिल मिस्त्री का काम करता है। करीब सात वर्ष पूर्व उसकी शादी छत्तीसगढ़ निवासी सीतु उर्फ छोटी (26 वर्ष) से हुई थी। दंपती के दो बच्चे हैं—एक पांच वर्षीय बेटी और तीन वर्षीय बेटा।

हाल ही में राजू अपनी पत्नी की मौसेरी बहन को दूसरी पत्नी बनाकर घर ले आया।

इसी बात को लेकर राजू और सीतु के बीच लगातार विवाद बढ़ता गया। रविवार को स्थिति इतनी बिगड़ गई कि दोनों ने आहत होकर जहरीला पदार्थ खा लिया। परिजनों ने उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन उपचार के दौरान सीतु की मौत हो गई। राजू की हालत में सुधार होने पर उसे छुट्टी दे दी गई।

सोमवार को जब सीतु का अंतिम संस्कार करने की तैयारी चल रही थी, तभी प्रशिक्षु सीओ गायत्री यादव पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचीं। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना की जानकारी मिलते ही गांव और आसपास के क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतका के घर पर परिजनों और ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। लोग इस घटना पर तरह-तरह की चर्चाएँ करते रहे। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल मृतका के परिजनों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं।

दूध कलेक्शन सेंटर खोलने के नाम पर ठगी, दो गिरफ्तार

400 से अधिक पशुपालकों से वसूले 20-20 हजार रुपये, पुलिस ने बरामद किए फर्जी दस्तावेज व उपकरण

पीलीभीत। शाहजहांपुर और पीलीभीत जिले में दूध कलेक्शन सेंटर स्थापित कराने के नाम पर किसानों और पशुपालकों से करोड़ों की ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश हुआ है। पुलिस ने शनिवार की रात दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों ने करीब 400 से 500 पशुपालकों से 20-20 हजार रुपये लेकर 80 लाख से एक करोड़ रुपये तक की ठगी की है।

गांव कुइयां निवासी सुमित त्रिवेदी ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि निगोही के गांव सफौरा निवासी मोहित ठाकुर ने उनसे और कई अन्य लोगों से एक डेयरी का दूध कलेक्शन सेंटर खोलने के नाम पर जमानत राशि के तौर पर 20-20 हजार रुपये जमा कराए थे। लेकिन सेंटर कभी शुरू नहीं हुआ। बाद में जब लोग मोहित से संपर्क करने गए तो उसका मोबाइल बंद मिला और पूरनपुर स्थित उसका ऑफिस व किराये का मकान भी खाली मिला। इसके बाद पीड़ितों ने खुटार, पूरनपुर और पीलीभीत के सेहरामऊ उत्तरी क्षेत्र में 400 से अधिक लोगों से ठगी की आशंका जताई।

पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। सीओ खुटार प्रवीण मलिक ने बताया कि खुटार पुलिस और क्राइम ब्रांच की टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए शनिवार रात मोहित ठाकुर और उसके साथी श्याम सिंह को गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने जून माह में पशुपालकों को डेयरी कलेक्शन सेंटर खोलने का प्रलोभन दिया और सभी से 20-20 हजार रुपये लिए। आरोपियों ने फर्जी एग्रीमेंट तैयार कराए और दूध जांचने की मशीन के नाम पर भी रुपये ऐंठे। इसके लिए उन्होंने पूरनपुर में ऑफिस खोला, ताकि भरोसा जता सकें। ठगी पूरी होने के बाद दोनों फरार हो गए। गिरफ्तारी के बाद आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने दो गत्ते के डिब्बों में मशीन के कवर, दूध खरीद रजिस्टर, स्टील की डोलची, दूध के सैंपल रखने की शीशियां, मशीन साफ करने के प्लंजर और चार फर्जी एग्रीमेंट बरामद किए। दोनों को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया है।

पुलिस जांच में सामने आया कि मोहित और श्याम सिंह ने अपने परिचित बेबी सिंह निवासी धुलिया (निगोही) के नाम पर बैंक खाता खुलवाया था। खाता खुलवाने के बहाने उसका मोबाइल नंबर भी अपने कब्जे में कर लिया। इसी के जरिए वे जनसेवा केंद्र और यूपीआई से रुपये निकालते रहे। आरोपी मोहित ने पहचान छुपाने के लिए लकी ठाकुर नाम से फर्जी आधार कार्ड भी बनवा रखा था। वह यही पहचान पशुपालकों को बताता था और एग्रीमेंट के साथ फर्जी आधार कार्ड की कॉपी भी सौंपता था। कई लोगों को उसने दूध चेक करने की मशीन के नाम पर खाली डिब्बे थमा दिए। पुलिस का कहना है कि अब तक की जांच में आरोपियों ने 25-30 लोगों से ठगी की बात कबूल की है, लेकिन पीड़ितों की संख्या सैकड़ों में है। पूरनपुर और सेहरामऊ उत्तरी पुलिस भी आरोपियों को रिमांड पर लेकर पूछताछ करेगी, ताकि पूरे नेटवर्क का खुलासा किया जा सके।

बीस अन्ना जानवरों को पकड़कर पहुंचाया कान्हा गौ आश्रय स्थल

ललितपुर। उप जिलाधिकारी सदर / प्रशासक मनीष कुमार के निर्देशन में नगर पालिका क्षेत्रांतर्गत विचरण कर रहे अन्ना जानवरों को टीम द्वारा संरक्षित करते हुए कान्हा गौवंश आश्रय स्थल में संरक्षित किया गया। इस दौरान टीम द्वारा पशु पालकों को जागरूक किया गया कि वह अपने-अपने गौवंशों को अपने घर पर ही संरक्षित करके रखें, खुले में अन्ना जानवर पाये जाने पर प्रति पशु रू0-2000.00 का जुर्माना लगाया जाएगा। इस दौरान टीम द्वारा विभिन्न वाडों से 20 अन्ना गौवंशों को संरक्षित किया गया। अन्ना जानवरों को पकडे जाने हेतु टीम द्वारा वार्ड नंबर 08 मुहल्ला जुगपुरा से 6 गौवंश, स्टेशन रोड तिराहा से 4 गौवंश, देवगढ़ रोड़ नेहरू नगर के पास से 7 गौवंश, वर्णी चौराहा के पास से 02 गौवंश एवं तुवन मंदिर चौराहा के पास से 1 गौवंश को पकड़कर कन्हा गौवंश आश्रय स्थल में संरक्षित किया गया। इस दौरान टीम द्वारा पशु पालकों को अपने-अपने गौवंश घर पर ही संरक्षित किये जाने हेतु जागरूक किया गया।

कुष्ठ रोगी खोज अभियान के लिए दिया प्रशिक्षण

ललितपुर। राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम के अन्तर्गत कार्यालय मुख्य चिकित्सा अधिकारी ललितपुर के सभागार में मुख्य चिकित्सा अधिकारी ललितपुर की अध्यक्षता में कुष्ठ रोगी खोजी अभियान के प्रशिक्षण का आयोजन किया गया जिसमें कुष्ठ रोगियों की पहचान, नि:शुल्क जाँच एवं उपचार, जागरूकता एवं सामाजिक भेदभाव की रोकथाम हेतु रणनीतियां तय की गयी। बैठक के दौरान आगामी कुष्ठ रोगी खोजी अभियान के माइकोप्लॉन बनाने एवं अभियान के सफल संचालन हेतु अभियान पूर्व तैयारियों पर चर्चा की गयी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 इम्तियाज अहमद ने बताया कि किसी भी कुष्ठ रोगी से भेदभाव न करें एवं उन्हें समाज की मुख्य धारा में जोडने के लिये हर सम्भव प्रयास किये जाये। स्टेट प्रोग्राम लीड एलएनआर एवं एनएलईपी कन्सल्टेन्ट डा0 अब्दुल्ला ने प्रशिक्षण देते हुये बताया कि कुष्ठ रोग के बारे में जागरूकता एवं ज्ञान का अभाव कलंक तथा भेदभाव की ओर ले जाता है, जिसके कारण कुष्ठ के संचरण और उपचार से संबंधित गलत धारणायें समाज में फैलती है। उन्होंने कुष्ठ रोग से ग्रसित व्यक्तियों से भेदभाव न करने की अपील की। जिला कुष्ठ अधिकारी, डा0 प्रदीप सिंह यादव ने बताया कि वर्तमान में जनपद ललितपुर में 91 कुष्ठ रोगियों का ईलाज चल रहा है जिनकी समुचित देखरेख एवं उपचार सुनिश्चित किया गया है। कुष्ठ रोग माइको बैंक्टिरियम लैप्रि नामक बैक्टिरिया के कारण होता है। कुष्ठ रोग के लक्षण त्वचा पर हल्के रंग के या तामई रंग के धब्बे जिनमें संवेदनहीनता हो। हाथ या पैरों पर झनझनाहट, नसों में दर्द एवं नसों का मोटा हो जाना, हाथ पैर या पल्कों की कमजोरी आदि हो सकती है। यदि किसी व्यक्ति में उपरोक्त लक्षण दिखते हैं, तो उन्हें निकटतम स्वास्थ्य केन्द्र में चिकित्सक से उपचार लेना चाहिये।

201 गुमशुदा मोबाइल बरामद, फर्जी परीक्षार्थी गिरफ्तार

विशाल इण्डिया पूनम तिवारी

अंबेडकरनगर। अंबेडकरनगर पुलिस ने मोबाइल रिकवरी सेल के नेतृत्व में 35.55 लाख रुपये कीमत के 201 गुमशुदा मोबाइल बरामद कर उल्लेखनीय सफलता हासिल की।पुलिस अधीक्षक केशव कुमार के निर्देशन में सर्विलांस सेल ने विभिन्न स्थानों से ये मोबाइल बरामद किए और संबंधित धारकों को सूचित किया गया।वहीं,थाना अकबरपुर पुलिस ने PET-2025 परीक्षा में फर्जीवाड़ा करते हुए पकड़े गए अरुण कुमार यादव को गिरफ्तार किया,जो शैलेंद्र सिंह यादव के स्थान पर परीक्षा दे रहा था।जांच में कूटरचित आधार कार्ड और 50 हजार रुपये के लेनदेन का खुलासा हुआ।साथ ही, दूसरे अभियुक्त सुरेंद्र यादव को भी जाफरगंज चौराहे से गिरफ्तार किया गया।इसके अलावा, ऑपरेशन कनविक्शन के तहत थाना बसखारी, सम्मनपुर, राजेसुल्तानपुर और इब्राहिमपुर में विभिन्न मामलों में बाल अपचारियों और अभियुक्तों को माननीय न्यायालय द्वारा सजा सुनाई गई, जिसमें अर्थदंड और प्रोबेशन शामिल हैं।

झांसी में पत्नी के सामने पति की हत्या

झांसी। झांसी में सोमवार को दिनदहाड़े मर्डर के आरोपी को गोलियों से भून डाला। पूर्व प्रधान और उसके परिवार ने घेराबंदी कर पत्नी के सामने ही उसे 4 गोलियां मारीं। पत्नी ने बचाने की कोशिश की, तो उसे थप्पड़ मारे और धक्का देकर गिरा दिया। हत्या के बाद हमलावर गोलियां चलाते हुए भाग गए। वारदात के बाद आसपास के लोग जुट गए। युवक को आनन-फानन में मेडिकल कॉलेज लाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। 6 साल पहले अरविंद यादव समेत अन्य ने पूर्व प्रधान के चाचा का मर्डर किया था। घटना सीपरी बाजार थाना क्षेत्र के भोजला गांव की है। सोमवार दोपहर करीब 1 बजे अरविंद यादव (38) और उसकी पत्नी संगीता बैंक से 2 लाख रुपए निकालकर लोन भरने दूसरे बैंक जा रहे थे। रास्ते में 5-6 बाइक से आए हमलावरों ने दोनों को घेर लिया। इसके बाद उन लोगों ने गोलियां चलानी शुरू कर दीं। पत्नी संगीता का आरोप है कि हमलावर 2 लाख रुपए और मोबाइल भी लूट ले गए। अरविंद यादव भोजला गांव का रहने वाला था। 2019 में गांव में तत्कालीन प्रधान रिंकू यादव के चाचा मुन्ना यादव का मर्डर हुआ था। इस मामले में अरविंद यादव समेत 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था।

नवनियुक्त कनिष्ठ सहायकों को नियुक्ति पत्र वितरित किये गये

ललितपुर। कलैक्ट्रेट सभागार, ललितपुर में उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग, लखनऊ के माध्यम से चयनित नवनियुक्त कनिष्ठ सहायकों को नियुक्ति पत्र वितरण कार्यकम का आयोजन किया गया। इस दौरान नवनियुक्त सहायक शोध अधिकारियों को मा0 श्रम एवं सेवायोजन राज्य मंत्री मनोहर लाल पंथ जी, मा0 सदर विधायक रामरतन कुशवाहा जी, मा0 जिला पंचायत अध्यक्ष कैलाश नारायण निरंजन एवं जिलाधिकारी, ललितपुर अमनदीप डुली द्वारा नियुक्ति पत्र वितरित किये गये। मुख्य चिकित्सा अधिकारी, डा0 इम्तियाज अहमद ने बताया कि उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग, लखनऊ के माध्यम से जनपद को 04 नये सहायक शोध अधिकारी प्राप्त हुये है, जिससे स्वास्थ्य विभाग को डेटा की रिपोर्टिंग एवं विश्लेषण के कार्य में मदद मिलेगी, उन्होंने सभी अभ्यर्थियों को पूर्ण मनोयोग के साथ कार्य करने हेतु निर्देशित किया।

नियुक्ति पत्र वितरण कार्यकम के दौरान मा0 मुख्यमंत्री के द्वारा कुछ जनपदों के चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र स्वयं प्रदान करने के कार्यक्रम का वीडियों लिंक के माध्यम से सजीव प्रसारण किया गया।

कार्यक्रम के दौरान डिस्ट्रिक्ट पब्लिक हैल्थ स्पेशिलिस्ट, डा0 सौरभ सक्सेना, चिकित्सा अधिकारी, डा0 राजेश भारती एवं अपर शोध अधिकारी, सुनील कुमार व अन्य अधिकारी / कर्मचारी उपस्थित रहें।

शार्ट न्यूज

वृहद रोजगार मेले का आज होगा आयोजन

पीलीभीत। जनपद के बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए जिला प्रशासन की ओर से एक दिवसीय वृहद रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। यह मेला 9 सितम्बर 2025 (मंगलवार) को राजकीय पॉलिटेक्निक, टांडा गुलाबराय, पूरनपुर में सुबह 10 बजे से शुरू होगा। यह आयोजन जिला सेवायोजन कार्यालय/मॉडल करियर सेंटर एवं राजकीय पॉलिटेक्निक के संयुक्त तत्वावधान में होगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक बाबूराम पासवान होंगे, जो युवाओं को बेहतर भविष्य की दिशा में प्रेरित करेंगे। इस अवसर पर विभिन्न निजी कंपनियाँ और प्रतिष्ठान अपने-अपने स्टॉल लगाकर अभ्यर्थियों का चयन करेंगे। अभ्यर्थियों को मौके पर ही इंटरव्यू देने और कंपनियों से सीधे जुड़ने का अवसर मिलेगा। प्रशासन का प्रयास है कि अधिक से अधिक युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराया जा सके। जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह ने खंड विकास अधिकारी, पूरनपुर को निर्देश दिए हैं कि पंचायत सचिवों, ग्राम प्रधानों और रोजगार सेवकों के माध्यम से क्षेत्र के युवाओं को रोजगार मेले की जानकारी दी जाए।

एकतरफा प्यार में महिला को जिंदा जलाया

फर्रुखाबाद। फर्रुखाबाद में युवक ने शादीशुदा महिला को पेट्रोल डालकर जिंदा जला दिया। महिला की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग पहुंचे। तब तक आरोपी फरार हो गए। लोगों ने आग बुझाई। करीब 70 प्रतिशत झुलसी महिला खुद उठी और स्कूटी चलाकर अस्पताल पहुंची। हालत गंभीर होने पर उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया। वहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। वारदात शहर मुख्यालय से 12 किमी दूर जहानगंज थाना इलाके में शनिवार सुबह 9-10 बजे हुई। महिला के पिता ने दावा किया कि बेटी ने मौत से पहले उसे आरोपी का नाम और उसके साथियों की संख्या बताई। पिता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी दीपक समेत 6 लोगों पर एफआईआर दर्ज की है। इसमें 5 अभी अज्ञात हैं। एएसपी संजय कुमार सिंह ने बताया कि आरोपियों की तलाश की जा रही है। महिला का पति दिल्ली में नौकरी करता है। जबकि महिला किराए के घर दो बेटों के साथ रहती थी।

लखनऊ में ऑटो पार्ट्स की दुकान में लगी आग

मोहनलालगंज। लखनऊ में ऑटो पार्ट्स की दुकान में भीषण आग लग गई। आग की लपटें करीब 50 फीट ऊपर तक उठीं। लपटों को देखकर स्थानीय लोगों ने फायर बिग्रेड को सूचना दी। फायर बिग्रेड ने 5 गाड़ियों की मदद से करीब 2 घंटे में आग पर काबू पाया। घटना गोसाईगंज कस्बे में रविवार रात करीब 12: 50 बजे हुई। फायर बिग्रेड की प्रारंभिक जांच में पता चला है कि शार्ट सर्किट से आग लगी। आग से कोई जनहानि नहीं हुई। करीब 1 करोड़ रुपए का सामान जलकर राख हो गया है। गोसाईगंज कस्बे में सुल्तानपुर रोड पर मोहम्मद आमीन की शादाब मोटर्स के नाम से ऑटो पार्ट्स की दुकान है। शनिवार रात करीब नौ बजे मोहम्मद आमीन ने दुकान बंद की। दुकान के ठीक पीछे अपने घर चले गए। रात करीब 1 बजे आसपास के लोगों ने दुकान से धुआं निकलता देखा और आमीन को सूचना दी। आमीन अपने परिजनों और पड़ोसियों के साथ मौके पर पहुंचे। दुकान का शटर खोलकर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक आग विकराल रूप ले चुकी थी।

लोको पायलट की पीट-पीटकर हत्या

आजमगढ़। आजमगढ़ में लोको पायलट की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। आरोप है कि छह लोगों ने उसे बहाने से बुलाकर जमकर पीटा। फिर उसे जहर पिला दिया। जब युवक अचेत हो गया तो सुनसान जगह पर मरा समझकर फेंक कर चले गए। युवक के पास दो मोबाइल थे, जिसमें से एक मोबाइल आरोपियों ने छीन लिया। पीड़ित युवक ने दूसरे मोबाइल से अपने छोटे भाई को फोन किया और पूरी बात बताई। छोटा भाई ने मौके पर पहुंचकर तुरंत अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। भाई ने छह आरोपियों के खिलाफ जीयनपुर कोतवाली में केस दर्ज कराया है। पुलिस घटना में शामिल आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है। पूरा मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा हुआ बताया जा रहा है। पोस्टमॉर्टम के बाद पुलिस ने डेड बॉडी परिजनों को सौंपी तो परिजनों ने आजमगढ़-गोरखपुर नेशनल हाईवे को जाम कर दिया। प्रदर्शनकारी आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। तनाव को देखते हुए मौके पर 8 थानों की फोर्स और क्ष्ह्ट तैनात है। एसपी ग्रामीण चिराग जैन परिजनों को समझाने में जुटे हैं।

मुख्तार के बेटे अब्बास की विधायकी बहाल

उत्तर प्रदेश। माफिया मुख्तार अंसारी के बड़े बेटे अब्बास अंसारी की विधायकी बहाल हो गई है। सोमवार की शाम विधानसभा सचिवालय ने सदस्यता बहाली का आदेश जारी कर दिया। अब मऊ में उपचुनाव नहीं होगा। हाईकोर्ट ने 20 अगस्त को अब्बास अंसारी की अपील पर सुनवाई करते हुए हेट स्पीच मामले में उनकी सजा के आदेश को निलंबित कर दिया था। अब्बास अंसारी ने बीते दिनों विधानसभा में सदस्यता बहाली के लिए आवेदन किया। प्रदेश सरकार हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट नहीं गई। लिहाजा विधानसभा सचिवालय के प्रमुख सचिव विधानसभा प्रदीप कुमार दुबे ने अब्बास की सदस्यता बहाली का आदेश जारी कर दिया। फिलहाल अब्बास अंसारी की मुश्किलें कम नहीं हुई हैं। उन पर 9 केस चल रहे हैं। गाजीपुर में व्यापारी की जमीन जबरन हड़पने के मामले में सोमवार को अब्बास अंसारी की सीजेएम कोर्ट में पेशी हुई। व्यापारी ने 2023 में केस दर्ज कराया था। इस दौरान अब्बास अंसारी मीडिया के सवालों से बचते नजर आए।

नोएडा के रतन बिल्डटेक को झटका

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने नोएडा के रतन बिल्डटेक प्राइवेट लिमिटेड को बड़ा निर्देश दिया है। कोर्ट ने कंपनी की सभी अपीलें खारिज कर दीं। न्यायमूर्ति पंकज भाटिया की एकल पीठ ने यूपी रियल इस्टेट अपीलेट ट्रिब्यूनल के आदेश को बरकरार रखा है। ट्रिब्यूनल ने बिल्डर को निर्देश दिया था कि वह आवंटियों को कब्जा देने में देरी के लिए ब्याज दे। बिल्डर की ओर से अधिवक्ता सुदीप कुमार ने कोर्ट में दलील दी कि कोविड-19 के कारण कब्जा देने में देरी हुई। यह परिस्थिति उनके नियंत्रण में नहीं थी। उन्होंने यह भी कहा कि आवंटियों ने बिना किसी विरोध के कब्जा स्वीकार कर लिया था। ट्रिब्यूनल के आदेश के मुताबिक, बिल्डर को 1 जनवरी 2020 से 13 अक्टूबर 2022 तक की अवधि का ब्याज देना होगा। यह एमआईसीआर दर से एक प्रतिशत अधिक होगा। हालांकि, इस अवधि में से कोविड-19 के कारण 6 महीने की छूट दी जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

ईरान में सुरक्षाकर्मियों पर गोली चलाने वाले को फांसी, 2024 में फंदे पर लटकाए गए 100 लोग

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने प्रदर्शनों के दौरान साल 2022 में सुरक्षा कर्मियों पर घातक हमला करने के आरोपित को शनिवार को फांसी दे दी। साल 2022 में महसा अमीनी नाम की कुर्द महिला की पुलिस कस्टडी में मौत के बाद ईरान में जबरदस्त प्रदर्शन हुए थे। ईरान में तय ड्रेसकोड का पालन नहीं करने पर उसे गिरफ्तार किया गया था। मिजान ऑनलाइन ने आरोपित की पहचान मेहरान बहरमियां के तौर पर की है। उस पर आरोप था कि उसने सुरक्षाकर्मियों के वाहन पर फायरिंग की थी, जिसमें एक अधिकारी की मौत हो गई थी, जबकि कई अन्य घायल हो गए थे। ये वाकया इशफहान प्रांत के सेमिरोम काउंटी में हुई थी। ईरान के सुप्रीम कोर्ट ने फांसी की सजा पर मुहर लगाई थी। अधिकार समूहों के मुताबिक साल 2022 के प्रदर्शनों के मामले में दी गई ये 12वीं फांसी की सजा है। समूहों का कहना है कि देश में विरोध को कुचलने के लिए बड़े पैमाने पर ये अभियान चलाया जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के मुताबिक, ईरान में साल 2024 में 1000 लोग फांसी पर चढ़ाए गए हैं। ये आंकड़ा दुनिया में सबसे ज्यादा है।

रूस ने कीव पर दागे ड्रोन और मिसाइलें, कैबिनेट बिल्डिंग से उठा धुआं ; हमले में दो की मौत

कीव, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध लगातार बड़ा रूप लेता जा रहा है। इस बीच खबर है कि रूस की ओर से यूक्रेन की राजधानी कीव पर एक बार फिर ड्रोन और मिसाइल दागी गई है। इस हमले में कम से कम दो लोगों के मौत होने की सूचना है। दरअसल, बड़े पैमाने पर रूसी ड्रोन और मिसाइलों ने कीव पर हमला बोला है। इस हमले के बा कीव के कैबिनेट भवन की छत से भी धुआं उठता हुआ देखा गया है। हालांकि, इस बात की पुष्टि नहीं हो सकी है कि ये धुआं हमले के कारण देखने को मिला या किसी और वजह से निकल रहा था। समाचार एजेंसी एपी के अनुसार, कीव के नगर प्रशासन प्रमुख तैमूर तकाचेंको ने बताया कि मृतकों में एक साल का बच्चा भी शामिल है। बच्चे का शव मलबे से निकाला गया है। कीव के मेयर विटालि क्लित्श्को ने बताया कि रूस की ओर से दागे गए ड्रोन का मलबा स्वियातोशिन्स्की जिले के एक आवासीय इमारत और कीव के डार्नितस्की जिले में एक अन्य इमारत पर गिरा। वहीं, इस हमले में 10 से अधिक लोगों के घायल होने की खबर है।

CEO की बाहों में झूलने वाली HR पति से लेंगी तलाक

वाशिंगटन, एजेंसी। सॉफ्टवेयर कंपनी एस्ट्रेनामर की पूर्व एचआर हेड क्रिस्टिन कैबोट ने अपने पति एंड्रयू कैबोट से

तलाक के लिए अर्जी दायर कर दी है। हाल ही में उनका एक वीडियो वायरल हुआ था जिसमें वह पने बॉस एंडी बायरन के साथ एक कॉन्सर्ट के दौरान अंतरंग पलों में दिखाई दी थीं। न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, 13 अगस्त को क्रिस्टिन ने न्यू हैम्पशायर के पोर्ट्समाउथ कोर्ट में तलाक की अर्जी दी। जुलाई में मैसाचुसेट्स के गिलेट स्टेडियम में हुए कोल्डप्ले कॉन्सर्ट के दौरान चकिस कैम' पर क्रिस्टिन और एंडी बायरन कैमरे में कैद हो गए। दोनों उस वक्त शादीशुदा थे और अपने-अपने पार्टनर से अलग देखे गए थे। स्टेडियम में बैठे दर्शकों और सोशल मीडिया पर यह वीडियो तेजी से वायरल हो गया। कोल्डप्ले के सिंगर क्रिश मार्टिन ने मंच से मजाकिया लहजे में कहा, या तो ये अफेयर में हैं या फिर बहुत ज्यादा शरमीले हैं। इसके बाद ऑनलाइन यूजर्स ने जल्द ही दोनों की पहचान उजागर कर दी। एंडी बायरन जुलाई 2023 से एस्ट्रेनामर के सीईओ थे। उन्होंने विवाद के कुछ ही दिनों बाद इस्तीफा दे दिया।

भारत-नेपाल के बीच लिपुलेख विवाद में नहीं पड़ेगा चीन

नेपाली पीएम ओली ने मुद्दा उठाया; जिनपिंग बोले- आपका आपसी मामला, मिलकर सुलझाएं

बीजिंग/काठमांडू, एजेंसी। नेपाली पीएम केपी शर्मा ओली 31 अगस्त से 1 सितंबर तक [illegible] समिट में शामिल होने चीन पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने चीनी राष्ट्रपति के सामने लिपुलेख का मुद्दा उठाया था। ओली ने कहा था कि यह इलाका नेपाल का हिस्सा है और भारत-चीन के बीच हुए हालिया सहमति पर नेपाल ने आपत्ति दर्ज कराई है। दरअसल, 19 अगस्त को भारत और चीन ने लिपुलेख पास को ट्रेड रूट के तौर पर फिर से खोलने का फैसला किया था। इस पर नेपाल ने विरोध जताया था। नेपाल 2020 में नया नक्शा जारी कर लिपुलेख, लिंपियाधुरा और कालापानी को अपना बता चुका है, जबकि भारत इन्हें लंबे समय से अपने हिस्से में मानता है। इस महीने भारत दौरे पर आएंगे नेपाल पीएम नेपाल के पीएम ओली 16 सितंबर को भारत दौरे पर आएंगे। इससे पहले भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी रविवार, 17 अगस्त

को काठमांडू पहुंचे थे। मिसरी ने प्रधानमंत्री ओली, विदेश मंत्री अर्जु राणा देउबा और विदेश सचिव अमृत बहादुर राय से मुलाकात की थी। बैठक में भारत-नेपाल संबंधों को मजबूत करने, कनेक्टिविटी, व्यापार और विकास सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई थी। ओली के भारत दौरे के दौरान दोनों देशों के बीच कुछ अहम समझौते होने की संभावना है। पिछले साल जुलाई में ओली के प्रधानमंत्री बनने के बाद से उनका भारत दौरा लगातार टलता रहा है। लिपुलेख दर्रा औपचारिक व्यापारिक मार्ग है ब्रिटिश काल में भी भारत और चीन के बीच हिमालय का लिपुलेख दर्रा व्यापार और तीर्थयात्रा का प्रमुख केंद्र था। 1991 में भारत और चीन ने इसे औपचारिक व्यापारिक मार्ग बनाया था। भारत-चीन के बीच साल 2005 में 12 करोड़ रुपए का आयात और 39 लाख रुपए का निर्यात हुआ था। साल 2018 में 5.59 करोड़ रुपए का आयात और 96.5 लाख रुपए का निर्यात हुआ था। 5,334 मीटर ऊंचाई पर सदियों से व्यापार धारचूला भारत-नेपाल सीमा पर बसा है और आदि कैलाश व मानसरोवर का पारंपरिक मार्ग भी यही है। यह मार्ग लिपुलेख दर्रे से तिब्बत को जोड़ता है। ब्यांस, दारमा और चौंदास घाटी के व्यापारी 10वीं सदी से इस दर्रे के जरिए कारोबार करते आ रहे हैं। 5,334 मीटर ऊंचाई पर स्थित लिपुलेख दर्रा सिर्फ व्यापार का नहीं, बल्कि सदियों पुरानी सांस्कृतिक और आर्थिक साझेदारी का प्रतीक भी है। पहले व्यापारी 1100 साल तक पैदल व खच्चरों से माल ढोते थे। धारचूला-लिपुलेख सड़क और गूंजी गांव में मंडी से व्यापार को नई गति मिलेगी। नियमों को केंद्र सरकार अंतिम रूप दे रही है।

अगले महीने दक्षिण कोरिया जाने की तैयारी में हैं ट्रंप

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अक्टूबर में दक्षिण कोरिया के दौरे पर जा सकते हैं। इस दौरान ट्रंप एशिया प्रशांत आर्थिक सहयोग समिट में शिरकत करेंगे। इस समिट में ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच द्विपक्षीय वार्ता भी देखने को मिल सकती है। ट्रंप प्रशासन के अधिकारियों का कहना है कि ट्रंप अपने टॉप सलाहकारों के साथ दक्षिण कोरिया का रुख करेंगे। वो [illegible] समिट में हिस्सा लेने की तैयारी कर रहे हैं। समिट का आयोजन दक्षिण कोरिया के ग्योंगजू में शहर में होगा। इस सम्मेलन की निश्चित तारीखों का एलान अभी नहीं हुआ है। मगर कयास लगाए जा रहे हैं कि अक्टूबर के आखिर या नवंबर की शुरुआत में यह समिट हो सकती है। इस दौरान ट्रंप और चिनफिंग भी आमने-सामने होंगे। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप और चिनफिंग के बीच गंभीर विषयों पर चर्चा हो सकती है। पिछले महीने भी ट्रंप ने चिनफिंग से फोन पर बातचीत की थी। इस दौरान चिनफिंग ने ट्रंप और उनकी पत्नी को चीन आने का निमंत्रण दिया था।

तानाशाह किम से कर सकते हैं मुलाकात हालांकि, ट्रंप ने इसे लेकर कोई तारीख फाइनल नहीं की है। अभी यह भी साफ नहीं है कि दक्षिण कोरिया दौरे के दौरान ट्रंप किसी और देश की यात्रा करेंगे या नहीं। दक्षिण कोरिया के दौरे पर ट्रंप उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन से एक बार फिर मिल सकते हैं। मगर, किम [illegible] समिट में जाएंगे, यह अभी तय नहीं है। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग ने पिछले हफ्ते [illegible] समिट में शिरकत करने के लिए ट्रंप को न्यौता भेजा था। इस दौरान ट्रंप ने निमंत्रण स्वीकार करते हुए दक्षिण कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन से मिलने की इच्छा जताई थी। ऐसे में अगर चिनफिंग और किम के साथ ट्रंप की मुलाकात फाइनल हो जाती है, तो अगले महीने पूरी दुनिया की निगाहें इस समिट पर होंगी।

'कुछ लोगों की जेबें भरेंगी, ज्यादातर होंगे और गरीब, एआई के गॉडफादर ने ऐसा क्यों कहा

यरुशलम , एजेंसी। कंप्यूटर साइंटिस्ट और नोबेल पुरस्कार विजेता जेफ्री हिंटन को एआई का गॉडफादर भी कहा जाता है। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ([illegible]) को लेकर चौंकाने वाली भविष्यवाणी की है। हिंटन ने कहा कि एआई की वजह से बेरोजगारी बढ़ेगी और कंपनियों के मुनाफे में उछाल आएगा, क्योंकि वो कर्मचारियों की जगह [illegible] का इस्तेमाल करेंगी। फाइनेंशियल टाइम्स को दिए इंटरव्यू में हिंटन ने कहा कि ये एआई की गलती नहीं, बल्कि पूंजीवादी सिस्टम का नतीजा है। अभी तो बड़े पैमाने पर छंटनी की खबरें नहीं आई हैं। ऐसे सबूत मिल रहे हैं कि एआई खासकर एंट्री-लेवल जॉब्स को कम कर रहा है, जहां नए कॉलेज ग्रेजुएट्स अपनी शुरुआत करते हैं। जेफ्री हिंटन ने कहा, 'हकीकत ये है कि अमीर लोग एआई का इस्तेमाल वर्कर्स को हटाने के लिए करेंगे। इससे बेरोजगारी बढ़ेगी और कुछ लोगों की जेबें और भरेंगी, जबकि ज्यादातर लोग और गरीब होंगे।' पिछले महीने उन्होंने कहा था कि एआई कंपनियां लंबे समय के नुकसान की बजाय तुरंत मुनाफे के बारे में ज्यादा सोचती हैं। न्यूयॉर्क फेड ने एआई को लेकर एक सर्वे किया है। इसमें पता चला कि [illegible] इस्तेमाल करने वाली कंपनियां कर्मचारियों को हटाने की बजाय उन्हें री-ट्रेन करने पर ज्यादा ध्यान दे रही हैं, हालांकि आने वाले महीनों में छंटनी बढ़ने की आशंका है।

हेल्थकेयर सेक्टर पर कैसा होगा असर : साइंटिस्ट हिंटन ने पहले कहा था कि हेल्थकेयर ऐसा सेक्टर है जो एआई से होने वाले जॉब क्राइसिस से बचा रहेगा। उन्होंने जून में डायरी ऑफ ए सीईओ यूट्यूब सीरीज में बताया, 'अगर डॉक्टरों को पांच गुना ज्यादा कुशल बनाया जाए तो हम उसी कीमत में 5 गुना ज्यादा हेल्थकेयर पा सकते हैं। मरीज हमेशा ज्यादा हेल्थकेयर चाहते हैं, अगर उसका कोई खर्च न हो।' हिंटन का यह भी मानना है कि जो नौकरियां बोरिंग या साधारण कामों से जुड़ी हैं, उन्हें एआई ले लेगा। हालांकि, जिनमें हाई स्किल की जरूरत है वो फिलहाल सुरक्षित रहने वाली हैं।

हमास के खिलाफ होगी आर-पार की लड़ाई, इजरायली सेना ने फलस्तीनियों को गाजा सिटी छोड़ने को कहा

यरुशलम , एजेंसी। इजरायली सेना ने गाजा सिटी में रहने वाले लाखों लोगों को शहर छोड़कर दक्षिणी भाग में बनाए सुरक्षित क्षेत्र में जाने के लिए कहा है लेकिन लोग अपना घर-शहर छोड़ने को तैयार नहीं हैं। हमास के खिलाफ सीधी कार्रवाई करना चाहती है सेना गाजा पट्टी के इस सबसे बड़े शहर को आमजनों से खाली करवाकर इजरायली सेना वहां पर हमास के खिलाफ सीधी कार्रवाई करना चाहती है। यही वह क्षेत्र है जिस पर 23 महीने की लड़ाई में इजरायली सेना पूरी तरह से कब्जा नहीं कर पाई है। अभी 48 बंधक होने की जानकारी इजरायली सेना का दावा है कि हाल के हफ्तों की कार्रवाई में उसने गाजा सिटी के बाहरी इलाकों पर कब्जा कर लिया है, बस शहर का सघन आबादी वाला मध्य भाग ही नियंत्रण से बचा है। इजरायली

सेना को शक है कि हमास के प्रभाव वाले इस शहर में अपहृत इजरायली नागरिकों को बंधक बनाकर रखा गया है। माना जा रहा है कि हमास के पास अभी 48 बंधक होने की जानकारी है, इनमें से 20 के जीवित होने की उम्मीद है।

जमीनी और पूरे गाजा शहर पर हवाई हमले कर रही है प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के शहर पर कब्जा करने के निर्देश को अमल में लाने के लिए इजरायली सेना कई हफ्तों से गाजा सिटी के बाहरी इलाकों पर जमीनी और पूरे गाजा शहर पर हवाई हमले कर रही है। बाहरी इलाकों के ज्यादातर लोगों ने सुरक्षा की चिंता करते हुए इलाका छोड़ दिया है। लेकिन शहर के मध्य भाग में अभी भी लाखों लोग मौजूद हैं। इजरायली सेना की घेराबंदी के चलते उन्हें खाद्य सामग्री और अन्य जरूरी सामान भी नहीं मिल पा रहा है। नेतन्याहू ने गाजा सिटी पर स्थायी कब्जा करने की बात कही है, जहां की सुरक्षा का पूर्ण दायित्व इजरायल का होगा। इजरायल और हमास के बीच मध्यस्थता कर रहे मिस्त्र और कतर ने गाजा पर कब्जे की नेतन्याहू की घोषणा और फलस्तीनियों को शहर छोड़ने के इजरायली सेना के फरमान की निंदा की है। 64 हजार से ज्यादा फलस्तीनी मारे गए विदित हो कि 23 महीने से जारी लड़ाई में इजरायल के हमलों में 64 हजार से ज्यादा फलस्तीनी मारे गए हैं। इस बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि उनके अधिकारी हमास के साथ गंभीर वार्ता कर रहे हैं। इस वार्ता के परिणाम से गाजा का भविष्य जुड़ा हुआ है।

अंग प्रत्यारोपण से प्राप्त की जा सकती है अमरता, पुतिन और चिनफिंग की मीटिंग के बाद क्यों उठी ये बहस?

मास्को/वाशिंगटन, एजेंसी। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और उनके चीनी समकक्ष शी चिनफिंग ने बीजिंग में एक सैन्य परेड के दौरान अमरता की प्राप्ति के लिए जैव प्रौद्योगिकी के उपयोग पर चर्चा की, जिसने वैश्विक ध्यान आकर्षित किया है।

विशेष रूप से, पुतिन ने सुझाव दिया कि बार-बार अंग प्रत्यारोपण से व्यक्ति हमेशा जवान रह सकता है। आस्ट्रेलिया के मोनाश यूनिवर्सिटी के बायोएथिक्स के लेक्चरर जूलियन कोप्लिन ने इस संदर्भमें एक रिपोर्ट जारी की है, जिसमें इस दावे की सच्चाई का विश्लेषण किया गया है...

अंग कहां से आएंगे : पुतिन का यह सुझाव कि हम बार-बार अंग

प्रत्यारोपण के माध्यम से अमरता प्राप्त कर सकते हैं, निश्चित रूप से विवादास्पद है। एक स्वाभाविक प्रश्न यह उठता है कि ये अंग आएंगे कहां से। प्रत्यारोपण योग्य अंग एक दुर्लभ चिकित्सा संसाधन है। किसी वृद्ध तानाशाह के जीवन को बनाए रखने के लिए इनका उपयोग करने से अन्य जरूरतमंद लोग जीवन रक्षक प्रत्यारोपण से वंचित हो जाएंगे।

क्या प्रयोगशाला में विकसित अंग बनेंगे विकल्प : यदि हम मान लें कि पुतिन शायद स्टेम कोशिकाओं का उपयोग करके प्रयोगशाला में विकसित अंगों की कल्पना कर रहे थे, तो यह दृष्टिकोण दूसरों को प्रत्यारोपण से वंचित नहीं करेगा। हालांकि, विज्ञानी मानव ऊतकों के कुछ पहलुओं के माडल बनाने वाले लघु आर्गेनाइड विकसित कर सकते हैं, लेकिन पूर्ण आकार के प्रत्यारोपित अंग बनाना वर्तमान क्षमताओं की पहुंच से बहुत दूर है। जटिल होता है प्रत्यारोपण यदि काल्पनिक रूप से हमारे पास असीमित प्रतिस्थापन अंगों तक पहुंच भी हो, तो भी उम्र बढ़ने के साथ हमारे शरीर का सामान्य लचीलापन कम हो जाता है। इससे बार-बार होने वाली प्रत्यारोपण सर्जरी से उबरना और भी कठिन हो जाएगा। बूढ़े होते दिमाग भी इसमें एक बड़ी बाधा पेश करते हैं। हम अपनी पहचान बदले बिना एक किडनी या लिवर बदल सकते हैं, लेकिन हम अपने दिमाग को नहीं बदल सकते। मस्तिष्क प्रत्यारोपण के बाद हमारे शरीर में जो भी रहेगा, वह हम नहीं होंगे। ज्यादा जीने के अन्य तरीके दीर्घायु के अन्य तरीके भी हो सकते हैं। विज्ञानियों ने प्रयोगशाला में इस्तेमाल होने वाले जानवरों, जैसे बंदर, चूहे व मक्खियों का जीवनकाल दवाओं, आनुवंशिक परिवर्तनों, आहार परिवर्तनों और कोशिकीय रीप्रोग्रामिंग के जरिये बढ़ाया है। हालांकि, जानवरों पर किए गए अध्ययनों को इंसानों पर लागू करना हमेशा चुनौतीपूर्ण होता है।

ट्रंप की मौजूदगी में झिझके जुकरबर्ग, बोले - माफ करिएगा, मैं तैयार नहीं था' - वीडियो वायरल

वाशिंगटन , एजेंसी। व्हाइट हाउस में गुरुवार को डोनाल्ड ट्रंप ने सिलिकॉन वैली के शीर्ष तकनीकी नेतृत्व को आमंत्रित कर एक शानदार डिनर का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में मार्क जुकरबर्ग , टिम कुक , सुंदर पिचाई , सत्या नडेला, सैम ऑल्टमैन, बिल गेट्स, और अन्य दिग्गज शामिल थे। 'भारत दो महीने में सॉरी बोलेगा', टैरिफ पर ट्रंप के मंत्री का बड़बोला बयान डिनर के दौरान जब ट्रंप ने जुकरबर्ग से निवेश राशि की पुष्टि चाही, तो जुकरबर्ग ने कहा- मुझे लगता है ज कम से कम 600?बिलियन ज 2028 तक। इसके बाद माइक खुलने पर जुकरबर्ग ने धीरे से कहा- माफ़ कीजिए, मैं तैयार नहीं था जमुझे नहीं पता आपको कौन-सा नंबर सुनना था। इस पर ट्रंप हंस पड़े और बहुत शानदार है कि आप हमारे साथ हैं कहकर तारीफ की। जब एक रिपोर्टर ने ब्रिटेन में फ्री-स्पीच पर ज़ुकरबर्ग से सवाल किया, तो ट्रंप ने मज़ाक में कहा- यह आपके राजनीतिक करियर की शुरुआत है। ज़ुकरबर्ग ने फटकर जवाब दिया—नहीं, ये नहीं है। ट्रंप इस जवाब पर हंस पड़े और गृहिणी मेलानिया को भी यह बात दोहराई। सत्ता नडेला- प्रशासन की नीतियों ने अमेरिकी टेक्नोलॉजी पर विश्वास बनाए रखने में मदद की, यह रेखांकित किया गया।

माल्या-नीरव जैसे भगोड़ों को भारत लाने की तैयारी तेज, ब्रिटिश टीम ने किया तिहाड़ जेल का दौरा

लंदन , एजेंसी। ब्रिटेन की क्राउन प्रॉसिक्यूशन सर्विस के एक प्रतिनिधिमंडल ने हाल ही में नई दिल्ली स्थित तिहाड़ जेल का निरीक्षण किया। यह दौरा भारत द्वारा भगोड़े अपराधियों के प्रत्यर्पण के प्रयासों को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। प्रतिनिधिमंडल का मकसद था ब्रिटिश अदालतों को यह भरोसा दिलाना कि भारत में प्रत्यर्पित किए गए आरोपियों को मानवाधिकारों और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार जेल में रखा जाएगा।

जेल के हाई-सिक्योरिटी वार्ड का निरीक्षण : जानकारी के मुताबिक, [illegible] टीम ने तिहाड़ जेल के उच्च सुरक्षा वार्ड का दौरा किया और वहां मौजूद कैदियों से बातचीत भी की। भारतीय अधिकारियों ने प्रतिनिधिमंडल को भरोसा दिलाया कि अगर ज़रूरत पड़ी तो हाई-प्रोफाइल कैदियों के लिए जेल परिसर में विशेष एन्क्लेव बनाया जाएगा, ताकि उन्हें सुरक्षित और सम्मानजनक माहौल मिल सके।

ब्रिटिश अदालतों की आपत्तियों के जवाब में यह पहल : यह दौरा ऐसे समय में हुआ है जब ब्रिटेन की अदालतें पहले भी भारत के प्रत्यर्पण अनुरोधों को यह कहते हुए खारिज कर चुकी हैं कि भारतीय जेलों की स्थिति संतोषजनक नहीं है। इन चिंताओं को दूर करने के लिए भारत सरकार ने यह स्पष्ट किया है कि प्रत्यर्पित व्यक्तियों से किसी भी प्रकार की अवैध पूछताछ नहीं होगी और उनकी सुरक्षा तथा मानवाधिकारों का पूरा ध्यान रखा जाएगा।

कई बड़े मामलों में अब भी अटका है प्रत्यर्पण : वर्तमान में भारत के कुल 178 प्रत्यर्पण अनुरोध विदेशों में लंबित हैं, जिनमें से लगभग 20 मामले ब्रिटेन में हैं। इनमें सबसे चर्चित मामले हैं-

अब ब्रिटेन पर ट्रंप का टैक्स अटैक- सैंकड़ों ब्रिटिश सामानों पर कसा शिकंजा, महंगाई का आएगा नया तूफान अब ब्रिटेन

पर ट्रंप का टैक्स अटैक- सैंकड़ों ब्रिटिश सामानों पर कसा शिकंजा, महंगाई का आएगा नया तूफान विजय माल्या- शराब कारोबारी, जिस पर ?9,000 करोड़ के बैंक कर्ज न चुकाने का आरोप है।

हीरा व्यापारी, जिस पर ?13,800 करोड़ की पंजाब नेशनल बैंक धोखाधड़ी का आरोप है। उसे मार्च 2019 में लंदन में गिरफ्तार किया गया था और उसका प्रत्यर्पण ब्रिटेन की अदालत से मंजूर हो चुका है, लेकिन वह अब भी हिरासत में है। इस साल जुलाई में विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने कहा था कि भारत ब्रिटिश अधिकारियों के साथ मिलकर मजबूत कानूनी मामला तैयार कर रहा है ताकि भगोड़ों की वापसी में तेजी लाई जा सके। भारत का कहना है कि प्रत्यर्पण के बाद किसी भी आरोपी को तिहाड़ जेल या अन्य जेलों में अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार उचित सुविधा और सुरक्षा दी जाएगी।

एक झटके में उजड़ गया पूरा गांव! आतंकी हमले में 60 लोगों की मौत, दर्जनों घर खाक

इस्लामाबाद , एजेंसी। आतंकवादी संगठन बोको हराम के आतंकियों ने उत्तर-पूर्वी नाइजीरिया के एक गांव पर रात में हमला कर कम से कम 60 लोगों की हत्या कर दी। स्थानीय लोगों और अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह हमला दारुल जमाल गांव में हुआ और वहां के निवासी मोहम्मद बाबागाना ने 'एसोसिएटेड प्रेस' को बताया कि इसमें कम से कम 60 लोग मारे गए। बोर्नो राज्य के गवर्नर बाबागाना जुलुम ने शनिवार देर शाम घटनास्थल का दौरा किया और पत्रकारों से पुष्टि की कि हमले में 60 से अधिक लोग मारे गए। जुलुम ने कहा, हमें लोगों के प्रति सहानुभूति है। उनसे अनुरोध है कि वे अपने घरों को न छोड़ें, क्योंकि हमने सुरक्षा में सुधार करने तथा भोजन और अन्य जीवन रक्षक वस्तुएं उपलब्ध कराने की व्यवस्था की है।

दक्षिण अफ्रीका को मिली वनडे क्रिकेट इतिहास की सबसे बड़ी हार, इंग्लैंड ने 342 रन से हराया

हैम्पशायर (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम को वनडे क्रिकेट इतिहास की सबसे बड़ी हार झेलनी पड़ी है। रविवार को खेले गए मुकाबले में इंग्लैंड ने दक्षिण अफ्रीका को 342 रन के अंतर से हरा दिया। दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था, जो बिल्कुल उल्टा पड़ गया। इंग्लैंड ने 50 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 414 रन बनाए।

जैकब बेथेल ने अपना पहला शतक लगाया और 82 गेंद पर 3 छक्के और 13 चौके लगाते हुए 110 रन की पारी खेली। वहीं, जो रूट ने 96 गेंदों पर 6 चौके लगाते हुए 100 रन की पारी खेली। इसके अलावा जोस बटलर ने 32 गेंद पर नाबाद 62 रन की पारी खेली। जेमी स्मिथ ने 48 गेंद पर 62 रन बनाए। दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाज बिल्कुल निष्प्रभावी रहे।

415 रन के लक्ष्य का सामना करने उतरी दक्षिण अफ्रीका ने इंग्लैंड के गेंदबाजों के सामने पूरी तरह सरेंडर कर दिया। जोफ्रा आर्चर ने अपनी घातक गेंदबाजी से दक्षिण अफ्रीका के टॉप ऑर्डर को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। दक्षिण अफ्रीका 20.5 ओवर में महज 72 रन पर सिमट गई। रनों के लिहाज से वनडे क्रिकेट इतिहास की यह सबसे बड़ी हार है। कॉर्बिन बोश 20 रन बनाकर दक्षिण अफ्रीका के शीर्ष स्कोरर रहे।

आर्चर ने 9 ओवर में 18 रन देकर 4 विकेट लिए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। आदिल रशीद ने 3 और ब्रायडन कार्स ने 2 विकेट लिए। टेंबा बवुमा ने बल्लेबाजी नहीं की। 3 वनडे मैचों की इस सीरीज की विजेता दक्षिण अफ्रीका रही। दक्षिण अफ्रीका ने पहले और दूसरे वनडे में इंग्लैंड को हराया था। 27 साल में यह पहला मौका है, जब दक्षिण अफ्रीका ने इंग्लैंड को उसके घर में वनडे सीरीज में मात दी है। केशव महाराज प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे।

एशिया कप पर अय्यर ने तोड़ी चुप्पी, कहा- हकदार होने के बावजूद टीम से बाहर रहना निराशाजनक

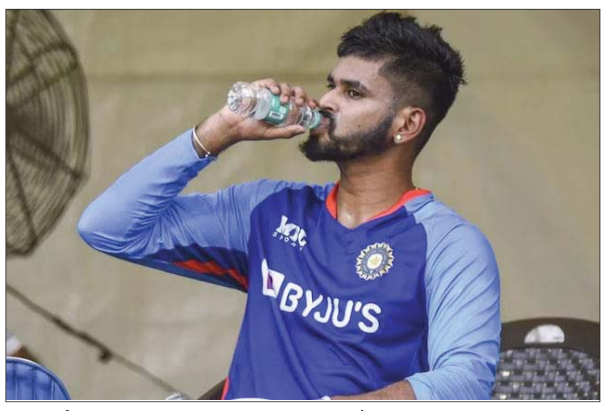

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के मध्यक्रम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने आगामी एशिया कप 2025 के लिए भारतीय टीम से बाहर किए जाने के बाद अपनी चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने स्वीकार किया कि यह चूक निराशाजनक थी। अय्यर ने कहा कि वह वापसी के लिए कड़ी मेहनत करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। अय्यर को इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट के लिए भारत की 15 सदस्यीय टीम में शामिल नहीं किया गया। इसके बजाय वह इस महीने के अंत में ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ दो चार दिवसीय अनौपचारिक टेस्ट मैचों में भारत ए की अगुवाई करेंगे।अय्यर ने एक पॉडकास्ट में कहा, 'यह तभी निराशाजनक होता है जब आपको पता होता है कि आप टीम में प्लेइंग इलेवन में जगह पाने के हकदार हैं। उस समय यह निराशाजनक होता है। लेकिन साथ ही जब आपको पता होता है कि कोई टीम के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहा है तो आप उसका समर्थन करते हैं। आखिरकार लक्ष्य टीम की जीत होती है और जब टीम जीत रही होती है, तो सभी खुश होते हैं।' हाल के वर्षों में अय्यर सभी प्रारूपों में एक अग्रणी खिलाड़ी के रूप में उभरे हैं। 2024 में कोलकाता नाइट राइडर्स को उनका तीसरा आईपीएल खिताब दिलाने के बाद उन्होंने 2025 में पंजाब किंग्स की ओर रुख किया और उन्हें फाइनल तक पहुंचाया। हालांकि पंजाब किंग्स खिताब से चूक गई लेकिन अय्यर की कप्तानी की खासकर उनकी रणनीतिक सजगता और दबाव में धैर्य की व्यापक प्रशंसा हुई। अय्यर भारतीय टीम में अपनी जगह बनाने के लिए और कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित हैं। घरेलू सीजन और ऑस्ट्रेलिया के महत्वपूर्ण दौरे के साथ इस स्टाइलिश दाएं हाथ के बल्लेबाज के पास अपनी योग्यता साबित करने और सीनियर टीम में वापसी करने का एक और मौका है। अय्यर ने एक बल्लेबाज के रूप में काफी विकास किया है।

रवि शास्त्री नहीं चाहते ओपनिंग जोड़ी में बदलाव, कहा- 'सैमसन सलामी बल्लेबाज के तौर पर ज्यादा खतरनाक'

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय मुख्य कोच रवि शास्त्री टी20 एशिया कप में सलामी जोड़ी में बदलाव नहीं चाहते। शास्त्री चाहते हैं कि टीम प्रबंधन अभिषेक शर्मा के सलामी जोड़ीदार के रूप में संजू सैमसन को ही बरकरार रखे। अगर शुभमन गिल प्लेइंग इलेवन में जगह बनाते हैं तो शास्त्री का मानना हैं कि गिल किसी और की जगह बल्लेबाजी करने आए।

शास्त्री ने मीडिया से बातचीत दौरान कहा, 'सैमसन शीर्ष तीन में सबसे खतरनाक हैं। यही पर वह आपको मैच जिताते हैं। उन्हें वहीं छोड़ देना चाहिए। सैमसन की जगह गिल को लाना इतना आसान नहीं होगा। सैमसन का टी20 में भारत के लिए शीर्ष क्रम में अच्छा रिकॉर्ड है। गिल के लिए भी उन्हें हटाना मुश्किल होगा। गिल किसी और की जगह आ सकते हैं। लेकिन सैमसन को सलामी बल्लेबाज के तौर पर अकेला छोड़ देना चाहिए।'

उन्होंने आगे कहा, 'सैमसन को उसी तरह खेलना जारी रखना चाहिए जैसा उन्होंने टी20 में भारत के लिए खेला है। वह शीर्ष क्रम में लगातार बड़े रन और शतक बना रहे हैं।'

गौर है कि 30 वर्षीय विकेटकीपर बल्लेबाज सैमसन ने टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में सलामी बल्लेबाज के रूप में पदोन्नत होने के बाद से अच्छा प्रदर्शन किया है। अब तक उन्होंने टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में सलामी बल्लेबाज के रूप में तीन शतक बनाए हैं। सलामी बल्लेबाज के रूप में 17 मैचों में उन्होंने 31.76 की औसत और 178.76 के स्ट्राइक रेट से 520 रन बनाए। सैमसन ने हाल ही में हुई केरल क्रिकेट लीग 2025 में कोच्चि ब्लू टाइगर्स के लिए शानदार फॉर्म हासिल की। उन्होंने पांच पारियों में 73.60 की औसत और 186.80 के स्ट्राइक रेट से 368 रन बनाए। हाल ही में संपन्न हुए इस टूर्नामेंट में उन्होंने एक शतक और तीन अर्धशतक भी लगाए।

क्रिस गेल ने किया खुलासा, पंजाब किंग्स में हुआ अपमान, कहा- मैं कोच कुंबले से निराश हूं

दुबई (एजेंसी)। स्पोर्ट्स डेस्क- वेस्टइंडीज के पूर्व सलामी बल्लेबाज और %यूनिवर्स बॉस% के नाम से मशहूर क्रिस गेल एक मस्तीखोर इंसान के रूप में जाने जाते हैं। वह जहां भी जाते हैं उनके चेहरे पर एक चमकदार मुस्कान होती है। गेल ने दुनिया भर की कई टी20 फ्रेंचाइजी के लिए खेला है। 2021 में पंजाब किंग्स के साथ उनका आईपीएल करियर अचानक खत्म हो गया। उन्होंने बीच में ही फ्रेंचाइजी छोड़ने के लिए बबल थकान का हवाला दिया। लेकिन अब सालों बाद उन्होंने फ्रेंचाइजी पर उनका अनादर करने का आरोप लगाया है।

गेल ने शुभंकर मिश्रा को उनके यूट्यूब शो पर कहा, %ओह, मेरा आईपीएल समय से पहले ही समाप्त हो गया। आप जानते हैं पंजाब के साथ ईमानदारी से कहूं तो। हां मेरा मतलब है कि फ्रेंचाइजी पंजाब किंग्स इलेवन में मेरा अनादर किया गया। आप जानते हैं। मुझे ऐसा लगा कि एक वरिष्ठ खिलाड़ी के रूप में मेरे साथ ठीक से व्यवहार नहीं किया जा रहा था। जिसने लीग के लिए इतना कुछ किया। आप जानते हैं फ्रेंचाइजी के लिए भी इतना मूल्य लाया। और फिर आपका अनादर किया जाता है और वे आपके साथ एक बच्चे की तरह व्यवहार करते हैं और फिर मैं लगभग ऐसा महसूस करता हूं जैसे मुझे लगा कि इमारत मेरे कंधे पर है। यह मेरे जीवन में पहली बार था जब मैंने अवसाद की स्थिति महसूस की। इसलिए जब लोग अवसाद के बारे में बात करते हैं तो मुझे इसका थोड़ा सा आभास हो जाता है और यह मेरे लिए नहीं था।%

गेल ने याद करते हुए कहा, %तो मुझे पता है कि हम इस बारे में बात कर रहे हैं कि यह हमारा काम है। लेकिन उस स्तर पर पैसा कुछ भी नहीं है। आपको वहां पैसे की जरूरत नहीं है। आपका मानसिक स्वास्थ्य पैसे से ज्यादा महत्वपूर्ण है। मैंने अनिल (अनिल कुंबले) को फोन किया। मैंने एक-एक करके चर्चा की और कहा कि सुनो मैं जा रहा हूं क्योंकि उसी समय मेरे पास विश्व कप भी था और हम एक बुलबुले में थे। इसलिए आप बाहर नहीं आ सकते थे इसलिए आपका मानसिक संतुलन बस जा रहा था। यह वास्तव में बहुत ही हैरान करने वाला था और आपको नष्ट कर रहा था। मैं अंदर से टूट गया था और मुंबई के खिलाफ खेले गए आखिरी गेम के बाद मैं ऐसा था। मैं शांति पाने के बजाय खुद को और नुकसान पहुंचाने वाला हूं।'

गौर है कि गेल के नाम सबसे ज्यादा टी20 शतक और सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड है। उन्होंने 463 मैचों में 36.22 की औसत से 14,562 रन बनाए हैं जिनमें 22 शतक और 88 अर्धशतक शामिल हैं। उनके पूर्व साथी पोलार्ड (14,145 रन) और इंग्लैंड के पूर्व सलामी बल्लेबाज एलेक्स हेल्स (14,047 रन) भी उनसे ज्यादा पीछे नहीं हैं।

एशिया कप : भारतीय महिला हॉकी टीम ने सिंगापुर को 12–0 से हराया, नवनीत और मुमताज ने 3–3 गोल दागे

बीजिंग (ईएमएस)। नवनीत कौर और मुमताज खान के शानदार प्रदर्शन से भारतीय टीम ने चीन में खेले जा रहे एशिया कप महिला हॉकी टूर्नामेंट के अपने तीसरे मुकाबले में सिंगापुर को 12–0 से हरा दिया। इसी के साथ ही पूल बी से भारतीय टीम का सुपर चार में पहुंचना तय हो गया है। भारत की और से नवनीत और मुमताज ने तीन–तीन गोल किये। मुमताज ने मैच के दूसरे ही मिनट में एक गोल दागकर भारतीय टीम को बढ़त दिला दी। इसके बाद नवनीत ने मैच के 14वें, 18वें और 28वें मिनट में तीन गोल दाग दिये। वहीं मुमताज ने 32वें और 38वें मिनट में दो गोल और दाग दिये। वहीं लालरेम्सियामी ने 13वें, उदिता ने 29 वें जबकि शर्मिला देवी ने 45वें मिनट और ऋतुजा पिसल ने 52वें मिनट में गोल किये। नेहा ने 11वें और 38वें मिनट में दो गोल दागे। वहीं इससे पहले भारतीय टीम ने पहले मैच में थाईलैंड को 11–0 से हराया था जबकि जापान से उसका दूसरा मैच 2–2 से बराबरी पर रहा था। मैच में पूरी तरह से भारतीय टीम हावी रही। सिंगापुर की टीम केवल चौथे क्वार्टर में ही कुछ हद तक मुकाबला कर पायी।

भारतीय टीम एशिया कप जीतेगी : गावस्कर

–शुभमन के भी एशिया कप में भी बेहतर प्रदर्शन का भरोसा जताया

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का मनाना है कि भारतीय टीम एशिया कप में अपने मैच आसानी से जीत जाएगी। गावस्कर ने कहा, अगर भारतीय टीम अपने मैच आराम से नहीं जीत पाती है तो मुझे हैरानी होगी। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार का प्रदर्शन पिछले कुछ समय में भारतीय टीम का रहा है उससे वह अन्य टीमों से कहीं आगे हैं। भारतीय टीम को यहां पाकिस्तान के अलावा बांग्लादेश, अफगानिस्तान और श्रीलंका से भी टक्कर मिलेगी। इसके बाद भी पिछले कुछ साल में भारतीय टीम ने जिस प्रकार से शानदार प्रदर्शन किया है। उससे वह एशिया कप में खिताब की प्रबल दावेदार के तौर पर उतरेगी। वहीं इस पूर्व कप्तान ने कहा कि उपकप्तान बनाये गये शुभमन गिल टूर्नामेंट मे अच्छा प्रदर्शन करेंगे। गावस्कर के अनुसार शुभमन में टी20 में भी अच्छी बल्लेबाजी करने की क्षमताएं हैं। वहीं इससे पहले कुछ पूर्व क्रिकेटरों ने कहा था टेस्ट में बेहतर प्रदर्शन के आधार पर उनको टी20 टीम में शामिल करना ठीक नहीं है। वहीं गावस्कर का मानना है कि जिस प्रकार का प्रदर्शन उन्होंने इंग्लैंड के टेस्ट दौरे में किया था। उसके बाद से ही टी20 के लिए भी उनकी दावेदारी पक्की हो गयी थी। इसके अलावा आईपीएल में उन्होंने जिस तरह से टी20 फॉर्मेट में बल्लेबाजी की है जिसे देखते हुए किसी को भी उनकी क्षमताओं पर संदेह नहीं होना चाहिये। आईपीएल में टी20 फॉर्मेट में वह काफी सफल रहे है। उन्होंने गुजरात टाइटंस की कप्तानी करते हुए काफी रन बनाये हैं।

कार्लोस अल्काराज ने सिनर को हराकर जीता यूएस ओपन का खिताब, बने नंबर 1

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। स्पेन के टेनिस सुपरस्टार कार्लोस अल्काराज ने शानदार प्रदर्शन के साथ यूएस ओपन 2025 का पुरुष एकल खिताब अपने नाम कर लिया है। इसी के साथ ही उन्होंने जैनिक सिनर को हराकर यूएस ओपन खिताब जीता और विश्व नंबर 1 रैंकिंग भी हासिल की।

यूएस ओपन फाइनल में अल्काराज ने इटली के सिनर को चार सेटों में 6-2, 3-6, 6-1, 6-4 से हराकर अपना दूसरा यूएस ओपन और छठा ग्रैंड स्लैम खिताब जीता। इस जीत के साथ ही अल्काराज ने सिनर की 65 सप्ताह की विश्व नंबर 1 रैंकिंग को छीनकर फिर से शीर्ष स्थान हासिल किया है।

दरअसल, अल्काराज ने मैच की शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। अल्काराज ने सिनर पर दबदबा कायम रखते हुए पहला सेट 6-2 से अपने नाम किया। हालांकि, सिनर ने दूसरे सेट में वापसी की और 6-3 से जीतकर मुकाबला बराबर किया। अल्काराज ने तीसरे सेट में शानदार वापसी की और 6-1 से जीत हासिल की। इसके बाद चौथे सेट में 6-4 से जीत हासिल की।

अल्काराज ने पूरे टूर्नामेंट में केवल एक सेट गंवाया, जो इस फाइनल में था। इस जीत के बाद कार्लोस अल्काराज जश्न में डूबे नजर आए। उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वे कुछ लोगों के साथ अपनी जीत को सेलिब्रेट कर रहे हैं। 2025 में अल्काराज और सिनर के बीच यह लगातार तीसरा ग्रैंड स्लैम फाइनल था। इससे पहले अल्काराज ने फ्रेंच ओपन में सिनर को हराया था, जबकि सिनर ने विंबलडन में जीत हासिल की थी।

अल्काराज छह ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने वाले ब्योर्न बोर्ग के बाद दूसरे सबसे युवा पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं। उनके पास अब फ्रेंच ओपन, विंबलडन और यूएस ओपन में दो-दो खिताब हैं, जिसके साथ वह नोवाक जोकोविच, राफेल नडाल और मैट्स विलेंडर के साथ उन चुनिंदा पुरुष खिलाड़ियों में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने तीनों सतहों (हार्ड कोर्ट, क्ले और घास) पर कई ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं। इस जीत के साथ उन्होंने 5 मिलियन डॉलर की पुरस्कार राशि भी हासिल की है।

टेबल टेनिस : अंडर–15 डबल्स में अनन्या–दिव्यांशी को स्वर्ण, भारत ने जीते कुल 6 पदक

नई दिल्ली। भारत की अनन्या मुरलीधरन और दिव्यांशी भौमिक ने उत्तरी मैसेडोनिया की राजधानी स्कोप्जे में आयोजित डब्ल्यूटीटी यूथ स्टार कंटेंडर में अंडर–15 गर्ल्स डबल्स का स्वर्ण पदक जीतकर शानदार प्रदर्शन किया। एक रोमांचक और कड़े फाइनल मुकाबले में उन्होंने चीन की झाओ वांगकी और लियू ज़ीलिंग को 3–2 के स्कोर से हराया। इस ऐतिहासिक जीत के साथ ही, भारत ने टूर्नामेंट में 1 स्वर्ण, 2 रजत और 3 कांस्य पदक सहित कुल 6 मेडल अपने नाम किए। यह फाइनल मैच भारतीय जोड़ी के धैर्य और दृढ़ता का एक बेहतरीन उदाहरण था। शुरुआती गेम जीतने के बाद, चीनी जोड़ी ने जबरदस्त वापसी की। लेकिन, निर्णायक गेम में अनन्या और दिव्यांशी ने शांत रहते हुए खेला और कई मैच पॉइंट बचाए। उन्होंने अंतत: 11–8, 7–11, 11–8, 6–11, 14–12 के स्कोर से जीत हासिल की, जिससे भारत को सबसे बड़ा सम्मान मिला। इससे पहले सेमीफाइनल में, इस जोड़ी ने अपने ही देश की खिलाड़ियों, रियाना भूटा और अंकौलिका चक्रवर्ती को 3–1 (11–2, 10–12, 11–3, 11–6) के स्कोर से हराकर फाइनल में जगह बनाई। रियाना और अंकौलिका ने इस प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीता। भारत की पदक तालिका को पी.बी. अभिनंद (अंडर–19) और ऋत्विक गुप्ता (अंडर–15) ने अपने–अपने सिंगल्स मुकाबलों में रजत पदक जीतकर और मजबूत किया। डबल्स मुकाबलों में भी भारत के लिए और मेडल आए। पी.बी. अभिनंद और सिंड्रेला दास ने अंडर–19 मिक्स्ड डबल्स में कांस्य पदक जीता, जबकि ऋत्विक गुप्ता और साहिल रावत ने अंडर–15 बॉयज़ डबल्स में भी कांस्य पदक हासिल किया। कुल मिलाकर, भारतीय टीम ने दक्षिण–पूर्वी यूरोप के देश उत्तरी मैसेडोनिया में आयोजित इस टूर्नामेंट में एक सराहनीय प्रदर्शन किया और भविष्य के लिए बड़ी उम्मीदें जगाईं।

वर्कलोड मैनेजमेंट पर बोले शार्दुल ठाकुर, कोई यह नहीं पूछता हमारा शरीर कैसा महसूस करता है

नई दिल्ली (एजेंसी)। तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर ने वर्कलोड मैनेजमेंट पर अपनी राय दी है। शार्दुल का मानना है कि खिलाड़ियों को हल्के में लिया जाता है। उन्हें शरीर को नियंत्रित रखने और उसे चोट से मुक्त रखने के लिए जरूरी लगातार ब्रेक नहीं मिलते।

हाल ही में वर्कलोड मैनेजमेंट एक तीखी बहस का हिस्सा रहा। कई पूर्व क्रिकेटरों ने जसप्रीत बुमराह द्वारा इंग्लैंड के खिलाफ पांच में से तीन टेस्ट मैचों के लिए खुद को उपलब्ध रखने की आलोचना की। वही शार्दुल का मानना है कि वर्कलोड मैनेजमेंट किया जाना चाहिए।

दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल के आखिरी दिन वेस्ट जोन के कप्तान शार्दुल ठाकुर ने कहा, 'कई बार हमें हल्के में लिया जाता है और प्रबंधन उच्चतम स्तर का नहीं है। इतने महीनों तक खेलने के बाद कोई भी हमसे आकर यह नहीं पूछता कि हमारा शरीर कैसा महसूस कर रहा है। लेकिन हां मैं फिजियो और स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग कोच के साथ अपने शरीर का प्रबंधन कर रहा हूं और लगातार काम कर रहा हूं।'

गौर है कि चोट से वापसी के बाद शार्दुल रणजी ट्रॉफी 2024-25, विजय हजारे ट्रॉफी और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में खेल चुके हैं। उन्होंने आईपीएल 2025 में लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए उनके प्रतिस्थापन खिलाड़ी के रूप में खेला। इसके बाद वह इंग्लैंड लायंस के खिलाफ बहु-दिवसीय मैचों के लिए भारत ए का हिस्सा थे। दलीप ट्रॉफी 2025 के सेमीफाइनल में खेलने से पहले उन्होंने एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी 2025 में दो टेस्ट मैच खेले।

दलीप ट्रॉफी : जगदीशन और पडिक्कल के जाने के बाद फाइनल में साउथ जोन में दो स्टार खिलाड़ी शामिल

आगामी दलीप ट्रॉफी फाइनल की तैयारी के लिए जगदीसन और पडिक्कल के भारत ए टीम में शामिल होने के बाद साउथ जोन की टीम ने दो होनहार बल्लेबाज कर्नाटक के रविचंद्रन स्मरण और तमिलनाडु के आंद्रे सिद्धार्थ को टीम में शामिल किया। दलीप ट्रॉफी के खिताबी मुकाबला में साउथ जोन का सामना सेंट्रल जोन से होगा। जो 11 सितंबर से बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस मैदान पर खेला जाएगा। एन जगदीशन और देवदत्त पडिक्कल ने हाल ही में दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइनल में शानदार प्रदर्शन किया। तमिलनाडु के विकेटकीपर बल्लेबाज जगदीशन ने नॉर्थ जोन के खिलाफ पहली पारी में 197 रनों की शानदार पारी खेली और अपनी टीम के 536 रनों के स्कोर में अहम योगदान दिया। इस प्रदर्शन की बदौलत साउथ जोन ने फाइनल में जगह बनाई। पडिक्कल ने भी दोनों पारियों में 57 और नाबाद 16 रन बनाकर महत्वपूर्ण योगदान दिया। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत ए टीम के दो अनौपचारिक टेस्ट मैचों के लिए जगदीशन और पडिक्कल के चयन के बाद स्मरण और सिद्धार्थ को मुख्य टीम में शामिल किया गया है। यह श्रृंखला 19 सितंबर से शुरू होगी।

दलीप ट्रॉफी फाइनल के लिए साउथ जोन की टीम– मोहम्मद अज़हरुद्दीन (कप्तान और विकेटकीपर), रिकी भुई (उप–कप्तान), रविचंद्रन स्मरण, काले एम, शेख रशीद, तन्मय अग्रवाल, सलमान निज़ार, आंद्रे सिद्धार्थ, तनय त्यागराजन, गुरजापनीत सिंह, एमडी निधिश, वासुकी कौशिक, अंकित शर्मा, टी विजय, बासिल एनपी।

भारत ने चौथी बार जीता हॉकी एशिया कप, फाइनल में कोरिया को 4-1 से हराया

राजगीर (एजेंसी)। बिहार के नालंदा जिले के राजगीर में खेले गए हॉकी एशिया कप में भारतीय टीम चैंपियन रही है। रविवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम ने कोरिया को 4-1 से हरा दिया। इस जीत के साथ ही भारत ने विश्व कप हॉकी का टिकट भी कटा लिया है। भारतीय टीम के लिए दिलप्रीत सिंह ने दो जबकि सुखजीत सिंह और अमित रोहिदास ने एक-एक गोल किया।

भारत ने मैच के पहले ही मिनट में गोल कर दिया। हरमनप्रीत सिंह ने कोरियाई डिफेंडर को छकाते हुए सुखजीत को पास दिया। उन्होंने टॉप कॉर्नर को बैकहैंडर से टॉमहॉक मारा। उनके शॉट का कोरियाई गोलकीपर के पास जवाब नहीं था और गेंद गोल पोस्ट में समा गई। पहले क्वार्टर की समाप्ति पर भारतीय टीम 1-0 से आगे रही। दूसरे क्वार्टर के आखिरी क्षणों में भारत के लिए दिलप्रीत ने गोल दागा। पहले हाफ तक भारतीय टीम 2-0 से आगे रही।

दूसरे हाफ की शुरुआत में भारतीय टीम अटैक के साथ-साथ कोरियाई खिलाड़ियों को रोकने की रणनीति के तहत खेल रही थी। तीसरे क्वार्टर की समाप्ति से ठीक पहले भारत ने तीसरा गोल दागा। गोल दिलप्रीत ने मारा था। भारत की बढ़त 3-0 की हो गई। चौथे क्वार्टर में भारत के लिए चौथा गोल अमित रोहिदास ने किया। चौथे क्वार्टर के अंत में कोरिया की तरफ से एकमात्र गोल किया गया। समय समाप्ति की घोषणा के साथ ही भारतीय टीम कोरिया पर 4-1 की जीत के साथ एशिया चैंपियन बन गई।

भारतीय हॉकी टीम 8 साल बाद एशिया कप चैंपियन बनी है। वहीं, चौथी बार हॉकी इंडिया ने इस खिताब पर कब्जा जमाया है। भारत ने सबसे पहले 2003 में एशिया कप का खिताब अपने नाम किया था, जब फाइनल में उन्होंने पाकिस्तान को 4-2 से हराया था। इसके बाद उन्होंने 2007 में चेन्नई में टूर्नामेंट जीता। भारत ने आखिरी बार 2017 में मनप्रीत सिंह की अगुवाई में एशिया कप का खिताब अपने नाम किया था। पिछले संस्करण में भारतीय टीम तीसरे स्थान पर रही थी।

अमेरिकी शुल्क से कोलकाता की चमड़ा फैक्ट्रियों की रफ्तार पर लगा ब्रेक

- चमड़ा निर्यातकों पर 50 फीसदी तक आयात शुल्क का असर, ऑर्डर घटे, उत्पादन प्रभावित

नई दिल्ली ।

कोलकाता के बंताला स्थित एक चार मंजिला चमड़ा फैक्टरी में करीब 380 कर्मचारी हैं, जो ह्यूगो बॉस जैसे ब्रांड के लिए हैंडबैग और वॉलेट तैयार करते हैं। चमड़े के टुकड़े करीने से पंक्तियों में रखे हुए हैं और फैक्टरी में तेज़ी से काम हो रहा है, लेकिन इसके पीछे एक बड़ी आर्थिक चिंता छुपी है। क्रीसेंट एक्सपोर्ट्स के लिए अमेरिका सबसे बड़ा बाजार है, लेकिन हाल ही में अमेरिका ने भारत के कुछ उत्पादों पर 50 फीसदी तक आयात शुल्क बढ़ा दिया है। इसका सीधा असर ऑर्डर पर पड़ा है। कंपनी के प्रबंध निदेशक एम. अजहर ने बताया कि अमेरिका से आने वाले कई ऑर्डर रोक दिए गए हैं और उत्पादन की रफ्तार भी धीमी हो गई है। अमेरिका ने यह जवाबी शुल्क रूस से तेल खरीदने के चलते लगाया है, जिसमें अतिरिक्त 25 फीसद शुल्क 27 अगस्त से लागू हुआ। इस समय सीमा से पहले जितना माल तैयार था, उसे क्रीसेंट ने हवाई मार्ग से भेजा, जबकि सामान्यतः समुद्री मार्ग का इस्तेमाल होता है। कंपनी की लगभग 60 फीसदी बिक्री अमेरिका में होती है, जबकि शेष यूरोप और ऑस्ट्रेलिया में। अन्य कंपनियां जैसे जेसी इंटरनेशनल भी इसी संकट से जूझ रही हैं। उनके अनुसार अक्टूबर-दिसंबर की तिमाही चुनौतीपूर्ण रहेगी।

बालाजी वेफर्स में 10 फीसदी हिस्सा बेचेंगे प्रवर्तक

- डील की वैल्यूएशन 40,000 करोड़ रुपये तक

नई दिल्ली । गुजरात की प्रमुख स्नैक्स कंपनी बालाजी वेफर्स के संस्थापक विरानी बंधु अपनी लगभग 10 फीसदी हिस्सेदारी बेचने की योजना बना रहे हैं। कंपनी इस सौदे के लिए देश-विदेश की शीर्ष निजी इक्विटी फर्मों से बातचीत कर रही है। यह सौदा करीब 40,000 करोड़ रुपये (लगभग 5.3 अरब डॉलर) के मूल्यांकन पर हो सकता है। कंपनी का यह कदम देशभर में कारोबार के विस्तार और विकास के लिए वित्तीय संसाधन जुटाने की दिशा में अहम माना जा रहा है। बालाजी वेफर्स के प्रवर्तक हल्दीराम के हालिया सफल सौदे से प्रेरित हैं। मार्च 2024 में हल्दीराम ने 10 अरब डॉलर के मूल्यांकन पर अपनी 10 फीसदी हिस्सेदारी बेचकर 1 अरब डॉलर जुटाए थे। इस कदम ने स्नैक्स और पैकेज्ड फूड सेक्टर में नया बेंचमार्क स्थापित किया है, जिससे बालाजी वेफर्स के मूल्यांकन और निवेश की संभावनाओं को बल मिला है। कंपनी परिवार द्वारा संचालित है, लेकिन विकास के अगले चरण के लिए पेशेवरों को बोर्ड में शामिल करने पर भी विचार चल रहा है। इसके अलावा, बालाजी वेफर्स 5-6 साल के अंदर सार्वजनिक सूचीबद्धता (आईपीओ) का भी विचार कर रही है, ताकि कंपनी के लिए और व्यापक पूंजी जुटाई जा सके।

भारत का सेमीकंडक्टर उद्योगः 7 नैनोमीटर तकनीक के लिए तैयार हो रहा है देश

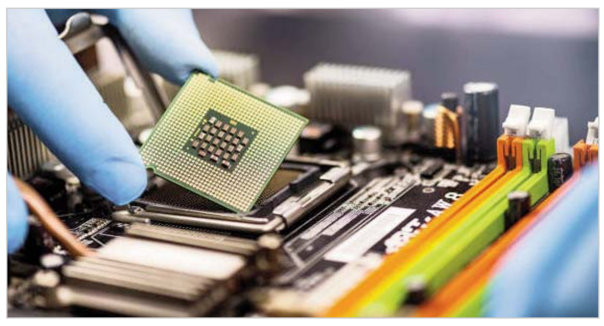

नई दिल्ली । भारत सरकार ने सेमीकंडक्टर उद्योग में 7 नैनोमीटर (7एनएम) और उससे उन्नत चिप निर्माण तकनीक हासिल करने के लिए अगले 5 से 7 वर्षों में एक स्पष्ट खाका तैयार किया है। सरकार की 15 साल की योजना का उद्देश्य भारत को इस क्षेत्र में वैश्विक दिग्गज बनाना है। इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार तकनीक लाने और बातचीत के प्रयास जारी हैं। देश के सबसे बड़े उद्योग समूहों में से एक टाटा समूह, 91,000 करोड़ रुपये के निवेश से पहला वेफर फैब्रिकेशन प्लांट स्थापित कर रहा है। इस प्लांट में 28 नैनोमीटर और उससे ऊपर की चिप्स का उत्पादन होगा, जो देश की सेमीकंडक्टर उत्पादन क्षमता के लिए बड़ी उपलब्धि होगी। नैनोमीटर ट्रांजिस्टर के आकार को मापने की इकाई है। ट्रांजिस्टर जितना छोटा होगा, उतनी अधिक संख्या में वे चिप पर पैक किए जा सकेंगे। इससे चिप का प्रदर्शन बेहतर होगा, बिजली की खपत कम होगी और कार्यक्षमता बढ़ेगी। आईबीएम और बेल्जियम की आईएमईसी के साथ भारत सरकार की बातचीत चल रही है। आईबीएम ने 2023 में भारत के सेमीकंडक्टर मिशन के तहत घरेलू अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देने के लिए रणनीतिक साझेदारी की है। आईबीएम ने दुनिया की पहली 2 नैनोमीटर चिप विकसित की है और जापानी कंसोर्टियम रैपिडस कॉरपोरेशन के साथ 2 एनएम तकनीक पर काम कर रहा है। आईएमईसी, जो टीएसएमसी, इंटेल और रैपिडस जैसी कंपनियों के साथ कार्यरत है, भारत को तकनीकी सहायता प्रदान करेगा।

उपभोक्ताओं की बदलती मांग को देखते हुए हुंडई ने पेश किए नए मॉडल

नई दिल्ली ।

शहरी और अर्ध-शहरी इलाकों में उपभोक्ताओं की बदलती मांग को देखते हुए हुंडई मोटर इंडिया ने लगातार नए मॉडल और अपडेट पेश कर रही है। हुंडई इंडिया ने 1996 में भारतीय बाजार में कदम रखा था और आज यह हर साल लाखों ग्राहकों को अपनी ओर आकर्षित कर रही है। कंपनी की रणनीति सिर्फ नई कारें लॉन्च करने तक सीमित नहीं है, बल्कि वह भारतीय उपभोक्ताओं की जरूरतों को समझते हुए डिजाइन, तकनीक और किफायत पर भी ध्यान देती है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण क्रेटा है, जिसने मिड-साइज एसयूवी सेगमेंट में बेजोड़ लोकप्रियता हासिल की।

जानकार मानते हैं कि इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की ओर बढ़ते रुझान को देखते हुए हुंडई ने भी ईवी सेगमेंट पर फोकस बढ़ा दिया है। कंपनी आने वाले समय में इलेक्ट्रिक कारों की रेंज में नए विकल्प पेश करने की तैयारी कर रही है। ऑटो एक्सपर्ट्स का कहना है कि भारतीय ग्राहकों का भरोसा और बाजार की तेजी ने हुंडई को आगे बढ़ाया है। साथ ही, कंपनी के डीलर नेटवर्क और आफ्टर-सेल्स सर्विस को भी इसकी सफलता का अहम कारण माना जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगले कुछ सालों में जब इलेक्ट्रिक कारों की मांग और बढ़ेगी, तब हुंडई अपनी शुरुआती बढ़त को और मजबूत कर सकती है। फिलहाल, कंपनी का लक्ष्य हर सेगमेंट में अपनी पकड़ मजबूत करना और भारतीय उपभोक्ताओं के लिए बेहतर विकल्प उपलब्ध कराना है। बता दें कि भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार में हुंडई मोटर इंडिया ने बीते वर्षों में मजबूत पकड़ बनाई है और आज कंपनी देश की दूसरी सबसे बड़ी कार निर्माता बन चुकी है।

खासतौर पर एसयूवी सेगमेंट में क्रेटा ने हुंडई को एक अलग पहचान दी है।

सेबी की बोर्ड बैठक में बड़े आईपीओ और मिल्स सुधारों पर फैसला संभावित

- फैमिली ऑफिस फंड्स के मैनेजमेंट और ग्लोबल फंड्स के वितरण का खुल सकता है मार्ग

नई दिल्ली ।

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) 12 सितंबर को अपनी अहम बोर्ड बैठक में कई महत्वपूर्ण सुधार प्रस्तावों पर निर्णय ले सकता है। यह बैठक चालू वित्त वर्ष की दूसरी और चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय के नेतृत्व में तीसरी होगी। पांडेय ने उचित नियमन पर लगातार जोर दिया है और इस बैठक में भी इसी दिशा में कई पहल की संभावना है। सेबी म्युचुअल फंड्स के लिए रेगुलेशन 24बी में छूट देने पर विचार कर रहा है। इसमें एसेट मैनेजमेंट कंपनियों को विदेशी संस्थाओं द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले नॉन-ब्रॉड-बेस्ड फंड्स को मैनेज और एडवाइज करने की अनुमति मिल सकती है। इससे फैमिली ऑफिस फंड्स के मैनेजमेंट और ग्लोबल फंड्स के वितरण का मार्ग खुल सकता है। इसके अलावा, म्युचुअल फंड स्कीम के वर्गीकरण की समीक्षा भी संभावित है, जिससे निवेशकों को बेहतर विकल्प मिल सकेंगे। बड़ी कंपनियों के लिए आईपीओ प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए सेबी डिल्यूशन नियमों में ढील देने और 25 फीसदी मिनिमम पब्लिक शेयरहोल्डिंग की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए समय सीमा बढ़ाने पर विचार कर रहा है। यह कदम बड़े आईपीओ लाने वाली कंपनियों जैसे रिलायंस जियो इन्फोकॉम के लिए लाभकारी होगा, जिनकी हाल ही में आईपीओ की चर्चा शुरू हुई है। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों के नियमों को सरल बनाने के साथ-साथ मार्केट इंफ्रास्ट्रक्चर इंस्टीट्यूशंस की गवर्नेंस को मजबूत करने के उपाय भी बैठक में प्रस्तावित हैं। इसमें कार्यकारी निदेशकों की नियुक्ति और उनकी जिम्मेदारियों का स्पष्ट विभाजन शामिल होगा।

जापान की अर्थव्यवस्था का अनुमान से बेहतर प्रदर्शन

टोक्यो । अमेरिकी शुल्क और घरेलू राजनीतिक अनिश्चितताओं के बावजूद जापान की अर्थव्यवस्था ने वित्त वर्ष की पहली तिमाही में मजबूत विकास दर्ज किया है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल-जून 2025 की तिमाही में जापान का वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) सालाना आधार पर 2.2 प्रतिशत बढ़ा, जो प्रारंभिक अनुमान 1.0 प्रतिशत से दोगुना से अधिक है। इस वृद्धि के पीछे ठोस उपभोक्ता खर्च और माल-भंडार में बढ़ोतरी मुख्य कारण रही। तिमाही आधार पर जीडीपी में 0.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो शुरुआती 0.3 प्रतिशत के अनुमान से बेहतर है। विशेषज्ञों का मानना है कि मजबूत घरेलू मांग और निर्यात के कारण जापान की अर्थव्यवस्था ने इस चुनौतीपूर्ण माहौल में भी स्थिरता बनाए रखी है।

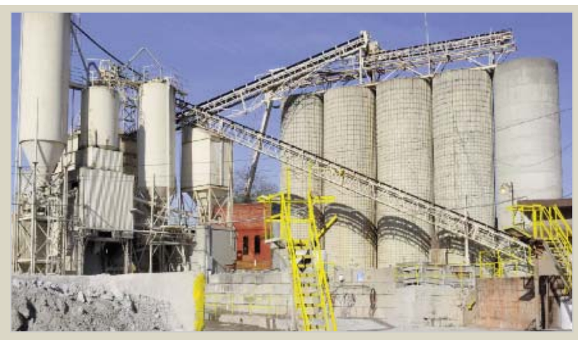

सीमेंट उत्पादन में मध्य प्रदेश अब्बल, निर्यात में गुजरात आगे

मुंबई । सीमेंट उत्पादन में मध्य प्रदेश अग्रणी राज्य है। मध्य प्रदेश में 80 एमटीपीए सीमेंट का उत्पादन होता है। इसके बाद राजस्थान में 74 आंध्र प्रदेश में 70 कर्नाटक में 60 गुजरात में 55 एमटीपीए सीमेंट का उत्पादन होता है। सीमेंट निर्यात के मामले में गुजरात अग्रणी राज्य है। यहां से 10 एमटीपीए सीमेंट का निर्यात तथा मध्य प्रदेश से 8 एमटीपीए सीमेंट का निर्यात विदेश में किया जाता है। गुजरात में पोर्ट होने से सीमेंट निर्यात में गुजरात को फायदा होता है। मध्य प्रदेश में कोई पोर्ट ना होने के कारण उत्पादन ज्यादा होने के बाद भी निर्यात कम होता है। राजस्थान से 6 आंध्र प्रदेश से 7 तथा कर्नाटक से 5 एमटीपीए सीमेंट का निर्यात विदेशों में किया जा रहा है। निर्यात के कारोबार में अंबुजा, सांघी,अल्ट्राटेक एसीसी, जेके सीमेंट डालमिया इत्यादि कंपनियों की भागीदारी सबसे ज्यादा है।

त्योहारों में ऑनलाइन खरीदारी बढ़ने का अनुमान

मुंबई । त्योहारों के मौसम में शहरी परिवारों की खरीदारी के तरीकों में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। लोकल सर्किल्स की रिपोर्ट के अनुसार इस बार ऑनलाइन और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के माध्यम से खरीदारी करने वाले शहरी परिवारों की संख्या 115 फीसदी तक बढ़ने की संभावना है। जीएसटी दरों में कमी से खरीदारों की सकारात्मक धारणा और बढ़ी है, जिससे ऑनलाइन खरीदारी को और बढ़ावा मिल रहा है। कुल मिलाकर इस त्योहारी सीजन में खर्च का अनुमान 2.19 लाख करोड़ रुपये लगाया गया है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि 37 फीसदी शहरी परिवार इस दौरान 20,000 रुपये या उससे अधिक खर्च करने की योजना बना रहे हैं। हालांकि, ऑफलाइन खरीदारी अभी भी कई लोगों की पसंद बनी हुई है।

भारत में अगस्त 2024 में वाहनों की खुदरा बिक्री में मामूली वृद्धि

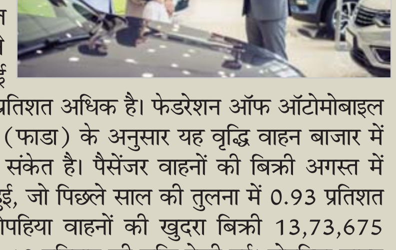

नई दिल्ली । अगस्त 2024 में भारत में वाहनों की कुल खुदरा बिक्री 19,64,547 इकाई रही, जो पिछले साल के इसी महीने 19,10,312 इकाई के मुकाबले 2.84 प्रतिशत अधिक है। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के अनुसार यह वृद्धि वाहन बाजार में धीरे-धीरे सुधार का संकेत है। पैसेंजर वाहनों की बिक्री अगस्त में 3,23,256 इकाई हुई, जो पिछले साल की तुलना में 0.93 प्रतिशत अधिक है। वहीं, दोपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री 13,73,675 इकाई रही, जिसमें 2.18 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। दोपहिया वाहन खंड में मांग बढ़ने का मुख्य कारण ओणम और गणेश चतुर्थी जैसे त्योहारों का उत्सव रहा। हालांकि, उत्तर भारत में भारी बारिश और बाढ़ के कारण ग्रामीण इलाकों में मांग प्रभावित हुई। कमर्शियल वाहनों की बिक्री में अगस्त में 8.55 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और यह 75,592 इकाई रही। इसके विपरीत, तिपहिया वाहनों की बिक्री में 2.26 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 1,03,105 इकाई पर रह गई। फाडा ने बताया कि ऐतिहासिक 'जीएसटी 2.0' सुधारों के कारण ग्राहक कीमतों में कमी की उम्मीद के साथ खरीदारी को सितंबर तक टाल रहे हैं। हालांकि, बाजार की समग्र धारणा स्थिर बनी हुई है और डीलरों को त्योहारी सीजन में मांग बढ़ने की उम्मीद है। फाडा के एक प्रमुख अे धिकारी ने कहा कि अगस्त में त्योहारों ने बाजार में उत्साह बढ़ाया है, लेकिन जीएसटी सुधारों की वजह से कुछ मांग में देरी हुई है। उन्होंने वाहनों पर हालिया जीएसटी कटौती का स्वागत किया और आगामी महीनों में बिक्री में तेजी आने की संभावना जताई।

36000 करोड़ का मुनाफा कमाया ओएनजीसी ने

रूस से सस्ता तेल लेकर निर्यात कारोबार में उतरी कंपनी

मुंबई । आयल एवं नेचुरल गैस के खनन रिफाइनरी और निर्यात के कारोबार में ओएनजीसी ने 36226 करोड रुपए की कमाई की है। यह कमाई 2021-22 की तुलना में कम है। 2024-25 में कंपनी का मुनाफा 26 फ़ीसदी कम हुआ है। उसके बाद भी कंपनी ने 36000 करोड़ की कमाई की है। ओएनजीसी के अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह के अनुसार रूस से सस्ती दरों में तेल आयात किया जा रहा है। ओएनजीसी कच्चा तेल खरीदकर सहायक कंपनियां मंगलौर रिफायनरी एंड केमिकल और हिंदुस्तान पैट्रोलियम कॉरपोरेशन के माध्यम से कारोबार कर रही है। 14 अगस्त 1956 को कंपनी की स्थापना हुई थी। यह सरकारी क्षेत्र की कंपनी है। कच्चे तेल के उत्पादन में लगभग 71 फ़ीसदी की हिस्सेदारी इसी कंपनी की है। प्राकृतिक गैस का भी 70 से 84 फीसदी तक उत्पादन कंपनी कर रही है। मुंबई स्टॉक एक्सचेंज में यह 3 लाख करोड रुपए मार्केट कैप वाली कंपनी है। 15 देश में इस कंपनी का कारोबार है।इस कंपनी में 26000 लोगों की टीम काम कर रही है।ओएनजीसी का शेयर 234 रुपए पर कारोबार कर रहा है। 52 हफ्तों का यह सबसे निचला स्तर है। रूस और यूक्रेन युद्ध के दौरान इस कंपनी का कारोबार तेजी के साथ बढा है। भारत की महारत्न कंपनियों की सूची में यह शामिल है।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को मामूली बढ़त के साथ बंद हुए। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन एशियाई बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही ऑटो शेयरों में खरीददारी से बाजार ऊपर आया। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 76.54 अंक बढ़कर 80,787.30 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 32.15 अंक ऊपर आकर 24,773.15 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान निफ्टी ऑटो 3.30 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। निफ्टी पीएसयू बैंक 0.49 फीसदी, निफ्टी मेटल 0.37 फीसदी, निफ्टी रियल्टी 0.46 फीसदी बढ़कर बंद हुआ।

दूसरी ओर निफ्टी आईटी 0.94 फीसदी, निफ्टी फार्मा 0.27 फीसदी, निफ्टी एफएमसीजी 0.21फीसदी और निफ्टी सर्विसेज 0.16 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुए। आज लार्जकैप की जगह मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में खरीदारी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 285.95 अंक करीब 0.50 फीसदी की बढ़त के साथ 57,361.15 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 29.10 अंक तकरीबन 0.16 फीसदी की बढ़त के साथ 17,684.35 पर था।

सेंसेक्स पैक की बात करें तो आज टाटा मोटर्स, एमएंडएम, मारुति सुजुकी, अदाणी पोर्ट्स, टाटा स्टील, बजाज फाइनेंस, अल्ट्राटेक सीमेंट, कोटक महिंद्रा बैंक और एचडीएफसी बैंक के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे जबकि इन्फोसिस, ट्रेंट, एशियन पेंट्स, एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, एलएंडटी, टीसीएस, पावर ग्रिड, फार्मा शेयर गिरे। आज बाजार तेजी से शुरु हुआ पर आईटी शेयरों में गिरावट के साथ ही निवेशकों ने सतर्क रुख अपनाया जिससे बाजार दबाव के कारण नीचे आने लगा और दिन के अंत में हल्की बढ़त पर बंद हुआ।

वहीं आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुले। सेंसेक्स करीब 200 अंकों की बढ़त के साथ 80,904 पर खुला, जबकि एनएसई निफ्टी 50 66 अंकों की तेजी के साथ 24,807 पर खुला। । पिछले हफ्ते विदेशी निवेशकों (एफआईआई) ने 5,667 करोड़ रुपए के शेयर बेचे, लेकिन घरेलू निवेशकों (डीआईआई) की 13,444 करोड़ रुपए की खरीदारी ने बाजार को मजबूती दी। एशियाई बाजारों में आज तेजी देखी जा रही है। जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 1.7 फीसदी ऊपर और दक्षिण कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 0.21 फीसदी की बढ़त के साथ कारोबार कर रहा था। चीन का अगस्त ट्रेड डेटा भी आज जारी होगा। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र में कमजोर बंद हुए। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.32 फीसदी गिरा, डॉव जोन्स 0.48 फीसदी नीचे रहा, जबकि नैस्डैक कॉम्पोजिट 0.03 फीसदी की मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ।

बिटकॉइन खरीदने वाले निवेशक को इंतजार के बाद मिलेगी अकूत दौलत

-एक बिटकॉइन की कीमत 2.1 करोड़ डॉलर तक पहुंच जाएगी

नई दिल्ली।

बिटकॉइन दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी है। इसकी मार्केट कैपिटल 2.2 ट्रिलियन डॉलर है, जो इस समय सर्कुलेशन में मौजूद सभी कॉइन और टोकन की कुल वैल्यू के आधे से भी ज्यादा है। सभी कॉइन की कुल मार्केट कैपिटल करीब 3.8 ट्रिलियन डॉलर है। इस समय बिटकॉइन का रेट करीब 1.10 लाख डॉलर है, जो भारतीय करेंसी में करीब 97 लाख रुपए के बराबर बनता है। आप सोच रहे होंगे कि इतनी महंगी क्रिप्टोकरेंसी के रेट और क्या बढ़ेंगे। एक रिपोर्ट के मुताबिक इस साल बिटकॉइन ट्रेजरी कंपनी माइक्रोस्ट्रेटजी के को-फाउंडर माइकल सैलर ने कहा था कि 2045 तक एक बिटकॉइन की कीमत 1.3 करोड़ डॉलर तक पहुंच सकती है। फिर जून में एक सम्मेलन में, सैलर ने अपने टार्गेट प्राइस को संशोधित कर 2.1 करोड़ डॉलर कर दिया था। अगर सैलर का जून वाला अनुमान सही साबित होता है, तो आज बिटकॉइन खरीदने वाले निवेशक अगले 20 सालों में 18,800फीसदी का शानदार रिटर्न कमा सकते हैं यानी उनकी दौलत 188 गुना हो जाएगी, जिससे इस समय मात्र 53000 रुपए का निवेश एकए करोड़ रुपए का बन जाएगा। इसके लिए सैलर ने तर्क भी दिया है।

माइकल सैलर को लगता है कि दुनिया की हर एसेट आखिरकार ब्लॉकचेन पर टोकनाइज होगी, क्योंकि इससे पारदर्शिता और एफिशिएंसी बढ़ेगी। जैसे अमेरिका में रियल एस्टेट होल्डिंग्स का कोई सेंट्रलाइज्ड रजिस्टर नहीं है, यही एक कारण है कि घर खरीदने में महंगी कानूनी फीस और लंबी जांच-पड़ताल की प्रोसेस होती है। सैलर के मुताबिक हर रियल एस्टेट लेनदेन को ब्लॉकचेन पर रखने से पारदर्शिता में सुधार के साथ-साथ इन कॉस्ट में से कुछ को कम किया जा सकेगा।

रिपोर्ट में सैलर ने बताया कि हर देश की सरकार को इस नजरिए के लिए एक कानूनी ढांचा बनाने के लिए राजी करना मुश्किल होगा, लेकिन उनका मानना है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के क्रिप्टो समर्थक प्रशासन की बदौलत अमेरिका इस दिशा में लीडर की भूमिका निभा सकता है।

ऑडी इंडिया ने कारों के भाव 2.6 से 7.8 लाख तक घटाए

नई दिल्ली । र्मनी की लग्जरी कार निर्माता ऑडी ने भारत में अपने मॉडलों की कीमतों में 2.6 लाख रुपये से 7.8 लाख रुपये तक की कटौती की घोषणा की है। यह बदलाव 'जीएसटी 2.0' लागू होने के बाद किया गया है। ई कीमतों के तहत ऑडी की लोकप्रिय एसयूवी क्यू3 की कीमत 43.07 लाख रुपये हो गई है, जो पहले 46.14 लाख रुपये थी। वहीं क्यू8 एसयूवी की कीमत 1.1 करोड़ रुपये से शुरू होगी, जो पहले 1.18 करोड़ थी। क्यू5, क्यू7 और सेडान मॉडल ए4 व ए6 की कीमतों में भी कमी की गई है। कंपनी ने बताया कि ग्राहक मॉडल के अनुसार 2.6 लाख रुपये से 7.8 लाख रुपये तक का लाभ उठा सकेंगे। इससे भारतीय लग्जरी कार बाजार में ग्राहकों को बेहतर विकल्प मिलेंगे।

'परम सुंदरी' ने वीकेंड पर लगाई छलांग

सिद्धार्थ मल्होत्रा और जान्हवी कपूर की फिल्म ने 9वें दिन छाप डाले इतने करोड़

सिद्धार्थ मल्होत्रा और जान्हवी कपूर की फिल्म 'परम सुंदरी' को रिलीज हुए 9 दिन हो गए है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई कर रही है। इसने वीकेंड पर भी करोड़ों रुपये का कलेक्शन किया है। जानिए इसने 6 सितंबर, शनिवार को इसने कितने करोड़ रुपये कमाए हैं। पढ़ें ये रिपोर्ट।

'परम सुंदरी' बॉक्स ऑफिस कलेक्शन डे 9

दिल्ली का लड़का परम (सिद्धार्थ मल्होत्रा) और साउथ इंडियन लड़की सुंदरी (जान्हवी कपूर)। फिल्म का नाम 'परम सुंदरी'। तुषार जलोटा के डायरेक्शन में बनी ये मूवी 29 अगस्त 2025 को थिएटर्स में रिलीज हुई थी। ओपनिंग डे पर 7.25 करोड़ रुपये से खाता खोला और अब 9वें दिन कितने करोड़ का कलेक्शन किया है, आइये जानते हैं। पहले बता दें कि 'परम सुंदरी' प्रोड्यूस किया है।

'परम सुंदरी' की कहानी

कहानी दिल्ली में रहने वाले एक लड़के की है, जो बिजनेस की दुनिया में नाम कमाना चाहता है, लेकिन सारे आइडिया फ्लॉप हो जाते हैं। फिर उसे एक ऐप के बारे में पता चलता है, जो आपको आपके सोलमेट से मिलवाती है। परम इस ऐप को ट्राई करने के लिए अपनी सोलमेट से मिलने जाता है, जो साउथ इंडिया में रहती है। जब दोनों के बीच कुछ-कुछ होने लगता है तो परम को पता चलता है कि वो ऐप और ऐप बनाने वाला दोनों फ्रॉड हैं। तो क्या वो अब सुंदरी को छोड़ देगा या फिर यही उसका सच्चा प्यार है, ये जानने के लिए आपको पूरी फिल्म देखनी पड़ेगी।

परिणीति के चेहरे पर नजर आया प्रेग्नेंसी ग्लो

बॉलीवुड अदाकारा परीणीति चोपड़ा इन दिनों अपनी मां बनने के बाद अनाउंसमेंट के बाद से ही सुर्खियों में हैं। अपने फैंस के साथ उन्होंने जैसे ही इस खबर को बताया कि वो मां बनने वाली हैं तो सोशल मीडिया पर बधाइयों का तांता लग गया। अब इस ऐलान के बाद वो पहली बार किसी पब्लिक इवेंट में नजर आई हैं। एक कार्यक्रम में पहुंचीं परीणीति पारंपरिक काले अनारकली सूट में नजर आईं। उनके चेहरे पर प्रेग्नेंसी का ग्लो दिख रहा था। जैसे ही उनकी तस्वीरें और वीडियो सामने आए, फैन्स ने सोशल मीडिया पर जमकर प्यार लुटाया।

इंस्टाग्राम पोस्ट से किया ऐलान

बता दें अभिनेत्री और उनके पति राघव चड्ढा ने बीते 25 अगस्त को इंस्टाग्राम पर अपने नए सफर की घोषणा की थी। उन्होंने एक प्यारे कैप्शन के साथ बताया था कि उनकी छोटी सी खुशी आने वाली हैं। इसके बाद से ही प्रशंसकों, दोस्तों और बॉलीवुड से जुड़ी हस्तियों ने उन्हें शुभकामनाएं भेजनी शुरू कर दीं।

परीणीति और राघव की प्रेम कहानी

यह रिश्ता भी कम दिलचस्प नहीं रहा। लंबे समय से एक-दूसरे को जानने के बावजूद उनकी नजदीकियां लंदन में हुए एक एलुमनाई इवेंट से बढ़नी शुरू हुईं। दोस्ती धीरे-धीरे प्यार में बदली और आखिरकार मई 2023 में दोनों ने दिल्ली में सगाई की। कुछ ही महीनों बाद, सितंबर में उदयपुर की झीलों के बीच उन्होंने करीबी रिश्तेदारों और दोस्तों की मौजूदगी में सात फेरे लिए। शादी के बाद साझा की गई तस्वीरों में दोनों ने लिखा था कि हमारी पहली मुलाकात से ही दिलों ने कह दिया था कि यह सफर हमेशा का होगा।

सर्वश्रेष्ठ निर्देशक पुरस्कार जीतने के बाद भावुक हुई अनुपर्णा

महिलाओं को अवॉर्ड किया समर्पित

भारतीय फिल्म निर्देश अनुपर्णा रॉय ने देश का परचम लहराया है। वेनिस फिल्म फेस्टिवल में दिखाई गई एकमात्र भारतीय फिल्म- च्सॉन्न्स ऑफ फॉरगॉटन ट्रीज' के लिए अनुपर्णा को सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का सम्मान दिया गहया। क्यों खास है अनुपर्णा की ये उपलब्धि? क्या है फिल्म की कहानी? जानिए सबकुछ।

इटली में आयोजित 82वें वेनिस फिल्म: फेस्टिवल में भारत का डंका बजा है। पूरे देश लिए गर्व के इन लम्हों को सहेजने का श्रेय फिल्ममेकर अनुपर्णा रॉय को जाता है। उनकी फिल्म च्सॉन्न्स ऑफ फॉरगॉटन ट्रीज़' के लिए उन्हें ओरिज़ोंटी सेक्शन का सर्वश्रेष्ठ निर्देशक पुरस्कार प्रदान किया गया। इस पुरस्कार की घोषणा ओरिज़ोंटी जूरी की अध्यक्ष, फ्रांसीसी फिल्मकार जूलिया ड्यूकुर्नो ने समापन समारोह के दौरान की। भारतीय सिनेमा के लिए यह उपलब्धि महत्वपूर्ण मील का पत्थर मानी जा रही है।

अवॉर्ड जीतने के बाद क्या बोलीं अनुपर्णा रॉय?: इस खिताब को जीतने के बाद नम आंखों के साथ अनुपर्णा रॉय ने अवॉर्ड उन सभी महिलाओं को समर्पित किया जो अपने खिलाफ हो रहे अत्याचार के खिलाफ या किसी भी मुद्दे पर अपनी आवाज नहीं उठा पाती हैं। अनुपर्णा रॉय ने कहा, 'यह फिल्म उन हर महिलाओं को समर्पित है, जिनकी आवाज कभी दबा दी गई, जिन्हें नजरअंदाज किया गया या कम आंका गया। मेरी कामना है कि यह जीत और अधिक आवाजों और ज्यादा कहानियों और महिलाओं को सिनेमा ही नहीं बल्कि जीवन के हर क्षेत्र में और अधिक ताकत देने की प्रेरणा बने।'

प्रवासी महिलाओं की जिंदगी पर आधारित है फिल्म: अनुपर्णा रॉय की इस फिल्म से अनुराग कश्यप भी जुड़े हैं। खास बात ये भी रही कि इस वर्ष के ओरिज़ोंटी सेक्शन में शामिल होने वाली एकमात्र भारतीय फिल्म- सॉन्न्स ऑफ फॉरगॉटन ट्रीज़' ही रही। मुंबई में प्रवासी महिलाओं की जिंदगी पर आधारित इस फिल्म में आधी आबादी के अकेलेपन, संघर्ष और क्षणिक रिश्तों के बीच जीने का रास्ता तलाशने की जिजिविषा को दिखाया गया है।

कलाकारों और अनुराग कश्यप का विशेष आभार: इटली के वेनिस शहर में अवॉर्ड लेने मंच पर सफेद साड़ी में पहुंचीं अनुपर्णा रॉय ने देश के परिधान को भी सात समंदर पार खास तौर पर स्थान दिलाया। उन्होंने इस सम्मान को 'सपना सच होने जैसा लम्हा' बताया। उन्होंने जूरी, अपनी टीम, कलाकारों और अनुराग कश्यप का विशेष आभार व्यक्त किया।

ईशा गुप्ता ने पूरी की धमाल 4 की शूटिंग

बॉलीवुड की सबसे ग्लैमरस और बहुमुखी अभिनेत्रियों में से एक, ईशा गुप्ता अब अपनी कॉमिक टाइमिंग और दमदार स्क्रीन प्रेज़ेन्स से दिल जीतने के लिए तैयार हैं धमाल 4 में। अजय देवगन और पूरी एनसेंबल कास्ट के साथ बड़े पैमाने पर शूटिंग करने के बाद, अभिनेत्री ने अब अपनी शूटिंग पूरी कर ली है और निर्माताओं ने आधिकारिक तौर पर इंद्र कुमार की इस बहुप्रतीक्षित कॉमेडी एक्स्ट्रावैगेंज़ा का रैप-अप घोषित कर दिया है। ईशा के लिए धमाल 4 अजय देवगन के साथ उनकी तीसरी फिल्म है, बादशाहो और टोटल धमाल के बाद। पिछले महीने अजय और ईशा को माध आइलैंड में महत्वपूर्ण सीक्वेंसेज़ शूट करते हुए देखा गया था, जहां उनके साथ रितेश देशमुख, अरशद वारसी, जावेद जाफरी, रवि किशन, संजय मिश्रा और अन्य कलाकार भी शामिल थे। रैप-अप के मौके पर ईशा ने कहा धमाल जैसी दर्शकों की पसंदीदा फ्रेंचाइज़ का हिस्सा बनना मेरे लिए एकदम खुशी की बात है। इंद्र सर, अजय और पूरी टीम के साथ काम करना, टोटल धमाल के बाद एक बार फिर, अविस्मरणीय अनुभव रहा। अजय एक पावरहाउस टैलेंट हैं, और सेट पर उनकी सहजता और एनर्जी सबको और बेहतर बना देती है। सेट का माहौल हमेशा मजेदार, हंसी-खुशी और पॉज़िटिविटी से भरा रहा। मैं बेसब्री से इंतज़ार कर रही हूं कि दर्शक वो पागलपन और मस्ती देखें जो हमने क्रिएट की है। शूट खत्म करना मेरे लिए बेहद खास है क्योंकि ये फिल्म सच में प्योर एंटरटेनमेंट है और इसका हिस्सा बनकर मैं बेहद उत्साहित हूं।

अभिनेत्री निकिता घाग और उसके साथियों पर फिल्म निर्माता से बंदूक की नोक पर 10 लाख ट्रांसफर कराने का आरोप

बॉलीवुड से जुड़े अंधेरी वेस्ट इलाके में एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। फिल्म निर्माता कृष्णकुमार वीरसिंह मीणा उर्फ के. कुमार (48) ने आरोप लगाया है कि अभिनेत्री निकिता घाग और उसके सहयोगियों ने उन्हें बंधक बनाकर बंदूक की नोक पर 10 लाख रुपए जबरन ट्रांसफर करवाए। इस घटना के बाद अंबोली पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया गया है। फिल्म निर्माता कृष्णकुमार वीरसिंह मीणा उर्फ के. कुमार (48) ने मामला दर्ज कराया है। उन्होंने बताया कि 14 अगस्त की शाम निकिता घाग 10 से अधिक लोगों के साथ उनके स्टूडियो, चित्रलेखा हेरिटेज पहुंची।

गणपति विसर्जन के बाद अक्षय कुमार ने किया ऐसा काम, यूजर्स ने की जमकर तारीफ

अक्षय कुमार को रविवार सुबह मुंबई के जुहू बीच पर कई लोगों के साथ देखा गया। वह गणपति विजर्सन कार्यक्रम के समापन के बाद यहां पहुंचे थे। जुहू बीच पर एक्टर ने ऐसा काम किया कि सोशल मीडिया पर उनकी वाहा-वाही हो रही है। अक्षय कुमार सोशल मैसेज वाली फिल्मों के जरिए तो लोगों को अवेयर करते हैं। साथ ही वह समय-समय पर अपनी नैतिक जिम्मेदारी भी समाज और देश को लेकर निभाते हैं। हाल ही में गणपति विजर्सन समापन के बाद एक्टर ने जुहू बीच पर कुछ ऐसा काम किया कि सोशल मीडिया पर उनकी तारीफ होने लगी।

यूजर्स ने की खिलाड़ी कुमार की तारीफ

सोशल मीडिया पर अक्षय कुमार के इस प्रयास की सराहना हो रही है। एक यूजर ने लिखा, अक्षय कुमार हमेशा अच्छा काम करते हैं।' अन्य यूजर ने अक्षय के लिए हार्ट और फायर इमोजी सोशल मीडिया पर साझा किए और एक्टर की पहल को सराहा है।

सोशल मीडिया पर अक्षय कुमार का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह गणेश विसर्जन के बाद जुहू बीच पर फैले कचरे को साफ करते हुए दिखाई दिए। महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस ने इस क्लिन अप ड्राइव को होस्ट किया है। अक्षय कुमार के साथ वायरल वीडियो में वह भी सफाई करती हुई नजर आईं।

'अयोध्या रामलीला' में सीता बनेंगी मिस यूनिवर्स इंडिया मनिका

मिस यूनिवर्स इंडिया 2025 का खिताब अपने नाम करने वाली मनिका विश्वकर्मा 'अयोध्या रामायण' में माता जानकी का रोल अदा करेंगी। उन्होंने खुशी जताते हुए कहा कि प्रभु श्रीराम की कृपा से यह अवसर मिला है। 'मिस यूनिवर्स इंडिया 2025' का खिताब जीतने वाली मनिका विश्वकर्मा आगामी वार्षिक नाट्य समारोह 'अयोध्या रामलीला' में हिस्सा ले रही हैं। इस रामलीला में वे माता सीता की भूमिका निभाती नजर आएंगी। मालूम हो कि 'अयोध्या रामलीला' को दुनिया की सबसे बड़ी रामलीला माना जाता है। यह मौका मिलने पर मनिका बेहद खुश हैं और इसे श्रीराम की कृपा बता रही हैं।

मनिका ने फैंस से किया अनुरोध

अयोध्या की रामलीला के इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया गया है। इसमें मनिका बोलती दिख रही हैं, 'जय श्रीराम, मैं अयोध्या की रामलीला में माता सीता का किरदार अदा करने जा रही हूं। यह मेरे लिए एक सौभाग्य की बात है कि भगवान श्रीराम के आशीर्वाद, बजरंगबली के आशीर्वाद और अयोध्यावासियों के आशीर्वाद से यह किरदार अदा करूंगी।

' यूजर्स के निशाने पर आई साई पल्लवी, 'मां सीता के लिए कास्टिंग खराब है...

साउथ की फेमस एक्ट्रेस साई पल्लवी हाल ही में एक अवॉर्ड शो में नजर आईं। उनके वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। कुछ उनकी सादगी की तारीफ कर रहे हैं तो किसी को 'रामायणम्' में माता सीता के लिए उनकी कास्टिंग पसंद नहीं आ रही है। उनके वीडियो पर सभी के मिले-जुले रिएक्शन आ रहे हैं। साई पल्लवी के वायरल वीडियो पर यूजर्स ने खूब रिएक्ट किया है। एक ने कहा, 'पुरानी रामायण बेस्ट है।' दूसरे ने कहा, 'मां सीता के लिए इससे बुरा कोई विकल्प नहीं हो सकता।' अन्य ने कहा, 'मां सीता के लिए बेजान चेहरा अच्छी पसंद नहीं है! कास्टिंग बहुत खराब है।' हालांकि, साई पल्लवी के फैंस उनके सपोर्ट में हैं। उनका कहना है कि वो बहुत प्यारी दिख रही हैं और 'रामायण' में मां सीता के रोल के लिए परफेक्ट हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, राजेश चौधरी द्वारा वत्स ऑफसैट, मुद्दा हाउस, सी. ब्लॉक, बारात घर के सामने, सेक्टर-22, नोएडा से मुद्रित तथा ई-189, सेक्टर-63, नोएडा गौतमबुद्धनगर उ.प्र. से प्रकाशित।
संपादकः जितेन्द्र चौधरी, आरएनआई नं. UPHIN/2014/55236, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, फोन नं.: 9999511233, ई-मेल : vishalindianews@gmail.com, वेब : www.vishalindia.in